संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 217
पृष्ठ : 08
मूल्य : 1.00
शुक्रवार 06 अक्टूबर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू



Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

बाबा बागेश्वर के खिलाफ मोर्चा बंदी: पुजारी-महामंडलेश्वर और हषार्नंद गिरि विरोध में, बोले- ईशनिंदा पर बने कानून



उज्जैन(एजेंसी)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री द्वारा भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम की तुलना करने और श्रीकृष्ण को तीन जगह से टेढ़ा कहने वाली टिप्पणी पर धार्मिक नगरी उज्जैन में बवाल मच गया है। महाकाल मंदिर के पुजारी, जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर और साध्वी हषार्नंद गिरि ने मोर्चा खोल दिया है। सभी ने एक स्वर में कहा - व्यासपीठ से भगवान का मजाक बर्दाश्त नहीं होगा। महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पं. महेश शर्मा ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री मदमस्त हो चुके हैं। धन, राजनीतिक लोगों का साथ और लगातार बढ़ते फॉलोअर का उन्हें मद चढ़ गया है, उन्हें लगता है जो कर रहे हैं वही सही है। भगवान श्रीकृष्ण तो स्वयं लीलाधर हैं। उन पर टिप्पणी का अधिकार किसी को नहीं है। राम और कृष्ण एक ही हैं, दोनों भगवान श्रीहरि के अवतार हैं। जो लोग भगवान पर ठिठोली करते हैं, सनातन का मजाक उड़ाते हैं, उनकी कथा न करवाना चाहिए, न सुनना चाहिए। पं. शर्मा ने मांग की है कि देश में ईशनिंदा पर सख्त कानून बनना चाहिए। सनातन धर्म और भगवान के खिलाफ बोलने वालों पर न सिर्फ कार्रवाई हो, बल्कि कठोर सजा भी मिले। धीरेंद्र शास्त्री ने कृष्ण को तिरछा कहने के साथ मुरली का भी मजाक उड़ाया है। इससे राम और कृष्ण को मानने वालों के बीच विवाद शुरू हो गया है, जबकि दोनों एक ही हैं।जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी शैलेशानंद गिरि ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री ज्ञान से पिछड़े हुए हैं। शब्दों की मयार्दा घातक होती है, शब्द ही हमारा चरित्र बता देते हैं। राजनीति हो या धर्म, हर जगह भाषाई अमयार्दा बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राम और कृष्ण एक ही हैं। श्रीमद् भागवत में भी इसका उल्लेख है। फिर आज के कथावाचक भगवान में भेद क्यों कर रहे हैं? उन्हें यह अधिकार किसने दिया? धीरेंद्र इसके पहले भी ऐसी टिप्पणी कर चुके हैं, बार-बार टिप्पणी करना और फिर माफी मांगना क्षमा योग्य अपराध नहीं है।

आंध्र में मुरासु तूफान के चलते 35 ट्रेनें रद्द

12 हजार लोग राहत शिविरों में; यूपी के 10 जिलों में कोहरा, दिल्ली में AQI 605



नई दिल्ली(एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में चक्रवाती तूफान मुरासु ने भारी तबाही मचाई है। तूफान से 2 लोगों की मौत हो गई और 52 हजार हेक्टेयर से ज्यादा फसलें बर्बाद हो गईं। इसके कारण 35 से ज्यादा ट्रेनें रद्द करनी पड़ी हैं।
12,230 लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया गया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, तूफान से राज्य को करीब ₹344 करोड़ का नुकसान हुआ है। बुधवार को भी आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में भारी बारिश हो सकती है।
उत्तर प्रदेश में ठंड ने दस्तक दे दी है। बीते 24 घंटों में तापमान में करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई। बुधवार सुबह लखनऊ, वाराणसी, मुरादाबाद, बिजनौर और हापुड़ समेत 10 से अधिक जिलों में कोहरा छाया है। अगले 48 घंटे में पूर्वांचल के जिलों में बारिश की संभावना है।
दिल्ली में बुधवार सुबह वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया। सुबह 7:41 बजे राजधानी का कुल एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 605 दर्ज किया गया। इंडिया गेट के आसपास के इलाके में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 414 दर्ज किया गया है। इसे गंभीर श्रेणी में रखा गया है।
राजस्थान में रात को तापमान कम होने से अब सर्दी बढ़ने लगी है। शेखावाटी के इलाकों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया। वहीं सीकर और फतेहपुर में माउंट आबू जैसी सर्दी पड़ने लगी है। इसके अलावा उदयपुर, चित्तौड़गढ़ के इलाकों में भी पारा गिरने से रात में सर्दी तेज होने लगी हैमध्य प्रदेश के पूर्वी हिस्से में चक्रवाती तूफान 'मुरासु' का असर है। मंगलवार को कई जिलों में बादल छाए रहे। वहीं, बूंदाबांदी और आंधी की स्थिति भी रही। IMD (मौसम केंद्र) के मुताबिक, बुधवार से तूफान का असर कम होगा।उत्तर प्रदेश में ठंड ने दस्तक दे दी है। बीते 24 घंटों में तापमान में करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई। सुबह और शाम के समय ठिठुरन बढ़ने लगी है। बुधवार सुबह लखनऊ, वाराणसी, मुरादाबाद, बिजनौर और हापुड़ समेत 10 से अधिक जिलों कोहरा छाया है। वहीं मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे में पूर्वांचल के जिलों में बारिश की संभावना जताई है।

राजस्थान में रेलवे ट्रैक पर ब्लास्ट:45 मिनट पहले पैसेंजर ट्रेन गुजरी थी

200 मीटर दूर तक धमाका सुनाई दिया, 8 ट्रेनें कैंसिल



राजस्थान (एजेंसी)। श्रीगंगानगर जिले में रेलवे लाइन पर मंगलवार रात 9.45 बजे ब्लास्ट हो गया। अनूपगढ़-सूरतगढ़ ट्रैक पर धमाके से पहले रात 9 बजे पैसेंजर ट्रेन गुजरी थी। धमाके की आवाज 200 मीटर दूर तक सुनाई दी।ब्लास्ट के कारण पटरी के नीचे लगे सीमेंट के दो ब्लॉक पूरी तरह से टूट गए। पटरियों के बीच 2 फीट गहरा गड्ढा हो गया।ब्लास्ट की जानकारी के बाद आईबी, सीआईडी और एंटी टेरेरिस्ट स्क्वॉड के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। घटना के करीब 15 घंटे बाद बुधवार दोपहर 1.30 बजे ट्रैक के मरम्मत का काम शुरू हुआ।घटना के कारण 8 ट्रेन कैंसिल हुई हैं।रात करीब 2 बजे आईबी और सीआईडी की टीम मौके पर पहुंची। सवा दो बजे एटीएस के एडिशनल एसपी सुरेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। श्रीगंगानगर एसपी हरिशंकर ने कहा- ब्लास्ट की तीव्रता कितनी थी और रेलवे ट्रैक को नुकसान पहुंचाने के पीछे किसका हाथ है, इसकी जांच की जा रही है। एफएसएल की टीम यहां से सैंपल लेकर जांच करेगी।
रामसिंहपुर सीआई राम प्रताप ने बताया- मंगलवार रात 8:30 बजे अनूपगढ़ जंक्शन से सूरतगढ़ की ओर जाने वाली ट्रेन रवाना हुई थी। करीब 9 बजे ट्रेन 50 जीबी गांव के पास आस-पास पहुंची। ट्रेन के गुजरने के करीब 45 मिनट बाद पटरी पर धमाका हुआ।धमाके की आवाज सुनकर 200 मीटर दूर बसे ढाणी में रहने वाले ग्रामीण पटरियों के पास पहुंचे थे। उनकी सूचना के बाद रात 11 बजे पुलिस व दूसरे अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। सुरक्षा एजेंसियों ने अक्टूबर में पाकिस्तान बॉर्डर से सटे श्रीगंगानगर जिले के रावला मंडी क्षेत्र में भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री पकड़ी थी। इनमें 7.750 किलोग्राम विस्फोटक (फ्लू), दो जिगाना पिस्टल, चार मैगजीन और करीब 867 कारतूस थे। 5 बैटरी और दो रिमोट भी थे।

कैबिनेट ने ऊर्जा सुरक्षा के लिए 17,314 करोड़ रुपये की दो योजनाओं को दी मंजूरी



नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश की ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। मंत्रिमंडल ने कुल 17,314 करोड़ रुपये की लागत वाली दो योजनाओं को मंजूरी दी। इनमें 92 गीगावाट घंटे की बिजली भंडारण क्षमता विकसित करने के लिए 14,500 करोड़ रुपये की व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण योजना और लिथियम, निकल जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए 2,814 करोड़ रुपये की योजना शामिल है। इसके अतिरिक्त देश की आधिकारिक सांख्यिकी व्यवस्था को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से 4,371.1 करोड़ रुपये की विकसित भारत सांख्यिकी रूपांतरण, विश्लेषण एवं अनुसंधान पहल को भी मंजूरी दी गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी।92 गीगावाट घंटे ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित करने की योजना सरकार की ओर से स्वीकृत 14,500 करोड़ रुपये की ऊर्जा भंडारण योजना का उद्देश्य देश में बड़े स्तर पर बिजली संग्रहण की व्यवस्था विकसित करना है। इसके तहत कुल 92 गीगावाट घंटे भंडारण क्षमता तैयार की जाएगी। यह योजना वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक पांच वर्षों में लागू की जाएगी। इसके माध्यम से सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से बनने वाली बिजली को जरूरत के अनुसार संग्रहित और उपयोग करने में मदद मिलेगी। इस योजना में तीन प्रकार की ऊर्जा भंडारण तकनीकों को शामिल किया गया है। इनमें 30 गीगावाट घंटे क्षमता वाली बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली, 60 गीगावाट घंटे क्षमता वाली पंप भंडारण परियोजनाएं और 2 गीगावाट क्षमता वाली उभरती ऊर्जा भंडारण तकनीकें शामिल हैं। व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण के माध्यम से इन परियोजनाओं की शुरूआती लागत का बोझ कम किया जाएगा, जिससे निजी निवेश को भी प्रोत्साहन मिलेगा।2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को मिलेगी मजबूती भारत ने वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। सौर और पवन ऊर्जा से बिजली उत्पादन लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इन स्रोतों से बिजली का उत्पादन मौसम और प्राकृतिक परिस्थितियों पर निर्भर करता है। ऐसे में ऊर्जा भंडारण व्यवस्था बिजली की उपलब्धता और मांग के बीच संतुलन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।नई योजना के तहत विकसित होने वाली भंडारण प्रणालियां जरूरत के समय बिजली उपलब्ध कराने, बिजली आपूर्ति तंत्र को स्थिर रखने और नवीकरणीय ऊर्जा के बेहतर उपयोग में मदद करेंगी। इससे बिजली आपूर्ति व्यवस्था अधिक भरोसेमंद बनेगी और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में देश की क्षमता बढ़ेगी।
लिथियम और निकल के घरेलू प्रसंस्करण को मिलेगा बढ़ावा

भारतीय जहाजों को होर्मुज से जाने की छूट
ईरान ने चीन समेत इन देशों को भी दी राहत, क्या अमेरिका से टलेगा युद्ध



तेहरान(एजेंसी)। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारत के लिए राहत की खबर है। ईरान सरकार ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भारतीय जहाजों को होर्मुज जलडमरूमध्य से आने-जाने की छूट दी गई है। ईरान ने भारत के अलावा चीन, इराक और कतर के जहाजों को भी अपने प्रतिबंधों से बाहर रखा है। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के उपाध्यक्ष अहमद हयात-मोगद्दम ने कहा कि भारत, चीन, इराक और कतर को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की विशेष अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि इन देशों के जहाज ईरान की तरफ से स्वतंत्र हैं और इस समुद्री रास्ते से आ-जा सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका को भी इन देशों के जहाजों की आवाजाही से कोई समस्या नहीं है। हयात-मोगद्दम ने कहा कि भारत को यह छूट इसलिए दी गई है, ताकि वह दवाइयों का आयात कर सके। चीन के मामले में उन्होंने राजनीतिक समर्थन को इसकी वजह बताया। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि चीन के साथ आर्थिक लेनदेन भी जारी है।
को क्या छूट दी?ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के उपाध्यक्ष अहमद हयात-मोगदम ने कहा कि भारत, चीन, इराक और कतर को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की विशेष अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि इन देशों के जहाज ईरान की तरफ से स्वतंत्र हैं और इस समुद्री रास्ते से आ-जा सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका को भी इन देशों के जहाजों की आवाजाही से कोई समस्या नहीं है। हयात-मोगद्दम ने कहा कि भारत को यह छूट इसलिए दी गई है, ताकि वह दवाइयों का आयात कर सके। चीन के मामले में उन्होंने राजनीतिक समर्थन को इसकी वजह बताया। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि चीन के साथ आर्थिक लेनदेन भी जारी है।

क्या वापस आएंगे बंगाल के प्रवासी मजदूर
सीएम शुभेंदु का बड़ा एलान, कहा- साल में 34500 रुपये देने की गारंटी



कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दूसरे राज्यों में काम करने वाले बंगाल के प्रवासी मजदूरों से अपने घर लौटने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राज्य में अब रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हैं। केंद्र सरकार की वीबी-जी राम जी योजना के तहत प्रत्येक जॉब कार्ड धारक को साल में 125 दिन काम की गारंटी दी जा रही है। इसके लिए सालाना 34,500 रुपये की आय सुनिश्चित की गई है। अधिकारी ने मजदूरों से कहा कि वे दूसरे राज्यों में काम करने के बजाय अपने परिवार के साथ बंगाल में ही रोजगार करें। उनका कहना है कि इस योजना से ग्रामीण इलाकों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और लोगों को अपने घर से दूर नहीं जाना पड़ेगा।क्या है 125 दिन काम की गारंटी वाली योजना और मजदूरों को कितना मिलेगा? शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को पंचायत विभाग के अधिकारियों और पंचायत मंत्री दिलीप घोष के साथ समीक्षा बैठक की। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में वीबी-जी राम जी योजना के तहत मिल रहे रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस योजना में हर जॉब कार्ड धारक को साल में 125 दिन काम देने की गारंटी है। इसके बदले 34,500 रुपये सालाना मिलने की व्यवस्था है।

राजभर बोले- अखिलेश यादव चुनाव लड़ने से डर रहे हैं, हिम्मत है तो किसी एक सीट से लड़कर दिखाएं



लखनऊ(एजेंसी)। कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में किसी सीट से चुनाव नहीं लड़ने की चर्चा है। नेता वह नहीं होता जो चुनाव से भागे। उनमें हिम्मत है तो किसी एक सीट से चुनाव लड़कर दिखाएं।राजभर ने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव टोना-टोटका मानते हैं। बिना चुनाव लड़े मुख्यमंत्री बन जाना उनके लिए किसी टोना-टोटका से कम नहीं था। वह रेडीमेड पार्टी के रेडीमेड शहजादे होने के कारण मुख्यमंत्री बने थे। अब उन्हें लग रहा है कि चुनाव लड़ने पर हार तय है, इसलिए मैदान छोड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने 10 साल पहले ही टोना-टोटका मानने वाली सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया था। आज प्रदेश से भूत-प्रेत और टोना-टोटका सब खत्म कर दिए गए हैं। राजभर ने तंज कसा कि अखिलेश एक बार मुख्यमंत्री बन पाए हैं और आगे मुख्यमंत्री बनने की उम्मीद नहीं है।

सीएम योगी बोले- लोकतंत्र में बदला नहीं, बदलाव होता है

जनता तय करती है अपना फैसला



गोरखपुर (एजेंसी)।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि लोकतंत्र में बदला नहीं, बल्कि बदलाव होता है और यह बदलाव जनता अपने मताधिकार से तय करती है। लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा के मंच से मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में सपा अध्यक्ष का बयान लोगों ने पढ़ा होगा। उनका बयान काफी अजीब था। उन्होंने कहा था कि आने वाली पीढ़ी लाठी की हर चोट और हर जख्म का बदला लेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा के बबुआ को कोई समझाए कि लोकतंत्र में बदला नहीं, बदलाव होता है। सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2014 में देश की जनता ने बदलाव किया और वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश की जनता ने अपना फैसला सुनाया। यह बदलाव की ताकत कांग्रेस या समाजवादी पार्टी के पास नहीं, बल्कि जनता के पास है। सीएम ने यह भी कहा पिछले तीन लोकसभा चुनावों में जितनी सीटें कांग्रेस की आई उससे कहीं अधिक भाजपा 2024 लोकसभा में अकेले ले आई। यही हाल सपा का उत्तर प्रदेश में है।भाजपा की लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ पदयात्रा के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बुधवार को गोरखपुर पहुंच गए। महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के मंच पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद हैं। पदयात्रा के जरिए भाजपा गोरखपुर में अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रही है। इसमें प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और सहयोगी दलों के प्रमुख शामिल हो रहे हैं।भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन का यह पहला गोरखपुर दौरा है। एयरपोर्ट पहुंचने के बाद वह सर्किट हाउस गए। इसके बाद महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज में आयोजित जनसभा में पहुंचे। जनसभा के बाद यहीं से पदयात्रा शुरू होगी। जनसभा में राष्ट्रीय महामंत्री एवं यूपी प्रभारी विनोद तावड़े, राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, राष्ट्रीय मंत्री प्रदीप वर्मा, निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद, सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर और अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल भी शामिल हैं।
एमपी इंटर कॉलेज से काली मंदिर तक जाएगी पदयात्रा
पदयात्रा महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज से शुरू होकर करीब 1200 मीटर की दूरी तय करते हुए गोलघर स्थित काली मंदिर के पास सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा तक पहुंचेगी। यहां प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ पदयात्रा का समापन होगा।
आयोजन में एक लाख कार्यकताओं की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। मार्ग में 18 स्थानों पर पदयात्रा का स्वागत किया जाएगा।

राहुल गांधी ने PM को बहस की चुनौती दी

बोले- मोदी देशद्रोही, 1 साल में निपट जाएगी सरकार; पंजाब में कत्ल करना फैशन बना



नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मैंने PM नरेंद्र मोदी को डिबेट की चुनौती दी है। मैंने उन्हें कहा है कि कहीं भी आकर मेरे साथ डिबेट कर लो, लेकिन वह मेरे सामने आकर बैठ नहीं सकते हैं। मैं गारंटी देता हूं कि 5 मिनट में उन्हें देशद्रोही साबित कर दूंगा। मोदी को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नियत्रंति कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि मेरा अनुमान है कि मोदी सरकार एक साल में निपट जाएगी। 3 साल बाद अमित शाह होम मिनिस्टर नहीं होंगे। ये बातें उन्होंने पंजाब के संगरूर में इंसाफ रैली के दौरान कही। संबोधन की शुरूआत में वह पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह को स्टेज पर लाए।राहुल गांधी ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला के साथ जो हुआ, वह आज पंजाब में एक फैशन बन गया है। पंजाब में नशा सबसे बड़ा मुद्दा है। भगवंत मान दिल्ली में थे तो हमें चुटकुले सुनाते थे। सुबह 11 बजे उनके मुंह से शराब की बदबू आती थी। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर ढट को बहस की चुनौती दी। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश में वोट चोरी हुई है और कई जगह वोट चोरों की सरकार चल रही है। उन्होंने दिल्ली में बैठी सरकार वोट चोरों की सरकार है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर बहस की चुनौती देते हुए कहा कि मोदी जी, आप जहां चाहें, मैं बहस के लिए तैयार हूं। मेरे सामने बैठ जाइए, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा राहुल गांधी ने पंजाब के लोगों से कांग्रेस की सरकार बनाने की अपील करते हुए कहा कि पंजाब को पंजाब की सरकार दीजिए। कांग्रेस की सरकार दीजिए। ऐसी सरकार चुनिए जो नशे के खिलाफ लड़े, ड्रग्स खत्म करे, युवाओं को रोजगार दे, उद्योगों को बचाए और किसानों के साथ खड़ी रहे। राहुल गांधी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 24 घंटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने यह कहते रहते हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाया था। अडाणी के खिलाफ अमेरिका में चल रहे मामले को भी डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बाद बंद करवा दिया। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नियंत्रित करते हैं।

महिला ने कैफे में मिलने को बुलाकर युवक से वसूले 26 हजार, दो गिरफ्तार

-हडसन लेन स्थित ब्लैक पैंथर कैफे में डेटिंग ऐप के जरिये ब्लाइंड डेट के बहाने बुलाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के हडसन लेन स्थित ब्लैक पैंथर कैफे में डेटिंग ऐप के जरिये ब्लाइंड डेट के बहाने बुलाकर एक युवक से करीब 26 हजार रुपये वसूल लिए गए। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पहचान मयूर विहार निवासी कैफे मालिक जावेद (38) और राधा कुंज-2, नंदग्राम निवासी अनुज कुमार (24) के रूप में हुई है। उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि बिहार के पश्चिम चंपारण निवासी शिकायतकर्ता एक नवंबर को डेटिंग ऐप से सान्या नाम की महिला के संपर्क में आया था। महिला ने उसे डेट पर बुलाया। उसने शाम करीब साढे छह से सात बजे के बीच जीटीबी नगर मेट्रो स्टेशन के पास मिलने के लिए बुलाया। वहां से वह उसे हडसन लेन स्थित एक कैफे में ले गई। कैफे में महिला ने व्हिस्की समेत कई खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ मंगवाए। कुछ देर बाद युवक को करीब 26 हजार रुपये का हाथ से लिखा बिल थमा दिया गया। बिल की रकम देखकर युवक ने इस पर आपत्ति जताई। आरोप है कि कैफे मालिक और कर्मचारियों ने युवक पर तत्काल भुगतान करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर उसे धमकी दी गई और भुगतान होने तक कैफे से बाहर नहीं जाने दिया गया। फिर उसने अपने परिजनों से पैसे मंगाकर दिए। पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि पुलिस ने कैफे मालिक जावेद (38) और अनुज कुमार (24) को कैफे से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी गाजियाबाद के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, दोनों का पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं रहा है। पुलिस महिला की पहचान सान्या उर्फ निकिता के रूप में कर रही है और उसकी तलाश में जुटी है।

दहेज हत्या और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पति समेत चार बरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साकेत कोर्ट ने दक्षिण दिल्ली के जामिया नगर में 20 वर्षीय शीबा मलिक की आत्महत्या में उसके पति, सास-ससुर और एक रिश्तेदार को दहेज हत्या और आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों से बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि महिला को मौत से कुछ समय पहले दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया था या आरोपियों ने उसे आत्महत्या के लिए उकसाया था। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हेमानी मल्होत्रा की अदालत ने अपने आदेश में पति अरशद मलिक, ससुर इस्लामउद्दीन, सास फिरदौस और रिश्तेदार अय्यूब मलिक को बरी कर दिया।

मालवीय नगर अग्निकांड में होटल के मैनेजर की हिरासत 17 तक बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। साकेत कोर्ट ने मालवीय नगर होटल अग्निकांड के आरोपी और मैनेजर जय मिश्रा की न्यायिक हिरासत 17 नवंबर तक बढ़ा दी है। वहीं, मामले में आरोप तय करने पर सुनवाई के लिए चार दिसंबर की तारीख तय की है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजीव कुमार अग्रवाल की अदालत ने यह आदेश दिया। सुनवाई के दौरान होटल मालिक लवकेश बजाज पेश नहीं हुआ। उसके वकील प्रीति यादव ने बताया कि हाईकोर्ट से उसे 18 दिसंबर तक अंतरिम जमानत मिली हुई है और वह बीमार है। अदालत ने पेशी से छूट देने की अर्जी स्वीकार कर ली। जांच अधिकारी इंस्पेक्टर सुभाष यादव ने अदालत को बताया कि विसरा रिपोर्ट मिल गई है, लेकिन होटल के डीवीआर का डेटा और फोरेंसिक रिपोर्ट अभी नहीं आई है। इस पर कोर्ट ने जय मिश्रा के हिरासत में होने का हवाला देते हुए फोरेंसिक रिपोर्ट जल्द हासिल करने के निर्देश दिए।

अक्तूबर में डेंगू के मामलों ने तोड़ा इस साल का रिकॉर्ड, मिले 486 मरीज

-कुल संख्या 1083 के पार, पिछले सप्ताह सामने आए 90 नए मामले

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में डेंगू का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। अक्तूबर में 486 नए मरीज मिले हैं। यह इस साल किसी एक महीने में दर्ज सर्वाधिक मामले हैं। इसके साथ ही दिल्ली में इस वर्ष डेंगू के कुल मरीजों की संख्या 1083 हो गई है। पिछले सप्ताह 90 नए मरीज सामने आए। एमसीडी के अनुसार, सितंबर तक 597 मामले दर्ज किए गए थे। अक्तूबर में 486 मरीज मिलने के बाद संख्या 1083 पहुंच गई। इससे पहले सितंबर में 286 और अगस्त में 90 मामले मिले थे। पिछले साल अक्तूबर में 377 मरीज दर्ज किए गए थे। इस बार समान अवधि में 109 अधिक मामले सामने आए हैं। जोनवार आंकड़ों में नजफगढ़ 129 मरीजों के साथ सबसे आगे है। साउथ जोन में 115, शाहदरा नॉर्थ में 110 और वेस्ट जोन में 104 मामले दर्ज हुए हैं। सेंट्रल जोन में 135, करोल बाग में 70, सिविल लाइंस में 62, शाहदरा साउथ में 61, रोहिणी में 52, केशवपुरम में 44, सिटी एसपी में 42 और नरेला में 40 मरीज मिले हैं।

डिजिटल गवर्नेंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में एयूडी और सीपीआरजी करेंगे काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉ. बीआर आंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) ने सार्वजनिक नीति अनुसंधान और सुशासन के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस (सीपीआरजी) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत दोनों संस्थान संयुक्त रूप से नीति अनुसंधान, प्रभाव आकलन, कार्यक्रम मूल्यांकन और क्षमता निर्माण से जुड़े कार्य करेंगे। साथ ही डिजिटल गवर्नेंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उभरते क्षेत्रों में भी शोध एवं शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। समझौते के तहत दोनों संस्थान संयुक्त नीति अनुसंधान रिपोर्ट, नीति-संक्षेप और अन्य ज्ञानपरक प्रकाशन तैयार करेंगे। इसके अलावा कार्यकारी शिक्षा, व्यावसायिक क्षमता निर्माण, सम्मेलन, संगोष्ठी और विभिन्न हितधारकों के साथ नीतिगत संवाद आयोजित किए जाएंगे। दोनों संस्थान अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग की संभावनाएं तलाशने के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वित्तपोषण के लिए संयुक्त प्रस्ताव भी तैयार करेंगे। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अनु सिंह लाठर ने कहा कि इस समझौते को सार्थक शैक्षणिक सहभागिता और निरंतर संस्थागत संवाद में बदलना जरूरी है। इसके माध्यम से शिक्षाविदों, नीति विशेषज्ञों और अन्य संबंधित पक्षों के बीच विचारों के आदान-प्रदान के अवसर मिलेंगे।

महादेव बेटिंग ऐप केस में बड़ी कार्रवाई, रवि उप्पल दुबई में गिरफ्तार, भारत लाने की तैयारी तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप मामले में भारतीय जांच एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। ऐप के सह-संस्थापक और मामले के प्रमुख आरोपियों में शामिल रवि उप्पल को दुबई में गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई है। उसकी गिरफ्तारी के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) उसे भारत लाने की कोशिशों में जुट गए हैं। यह घटनाक्रम महादेव ऐप के दूसरे प्रमुख आरोपी सौरभ चंद्राकर के ओमान से भारत प्रत्यर्पण के कुछ ही दिन बाद सामने आया है। हालांकि, भारतीय एजेंसियों को रवि उप्पल की गिरफ्तारी की जानकारी अनौपचारिक माध्यमों से मिली है। संयुक्त अरब अमीरात की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ईडी के आरोपों के मुताबिक, रवि उप्पल बेटिंग नेटवर्क के संचालन और वित्तीय लेन-देन में अहम भूमिका निभाता था। उस पर करोड़ों रुपये के कथित हवाला नेटवर्क को संभालने और छत्तीसगढ़ के नेताओं तथा नौकरशाहों से संपर्क बनाए रखने की जिम्मेदारी होने का आरोप है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि उससे पूछताछ में अवैध कमाई के लेन-देन, हवाला नेटवर्क और इस कारोबार से जुड़े लाभार्थियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकती हैं। रवि उप्पल के खिलाफ अक्टूबर 2023 में इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। इसके बाद दिसंबर 2023 में उसे दुबई में हिरासत में लिया गया, लेकिन करीब 45 दिन बाद रिहा कर दिया गया था। जांच में यह भी सामने आया था कि रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर के पास वानुअतु के पासपोर्ट हैं। इस मामले में एक अन्य आरोपी विकास छपरिया के भी दुबई में होने की जानकारी है।

'ओपन चैलेंज, संसद में आइए, बहस करते हैं!',

सीएम रेखा गुप्ता ने दी राहुल गांधी को संसद में बहस करने की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ओर से कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संसद में बहस करने की खुली चुनौती दी है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए राहुल गांधी को चुनौती दी है।
रेखा गुप्ता की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा गया, 'राहुल गांधी जी, ओपन चैलेंज। संसद में आइए। बहस करते हैं! 1975 में आपकी दादी ने इमरजेंसी लगाई। विपक्ष को जेल में डाला। प्रेस का मुँह बंद कर दिया। लोकतंत्र का गला घोंट दिया गया। 1984 में आपके पिता प्रधानमंत्री थे, जब दिल्ली में हजारों बेगुनाह सिखों का कत्लेआम हुआ था। कांग्रेस आज भी उस खून से सनी विरासत से बच नहीं पाई है।'
दिल्ली की सीएम ने एक्स पोस्ट में आगे लिखा, '2014, 2019 और 2024– लगातार तीन टर्म। चौथा टर्म तो आपका सबसे बड़ा बुरा सपना है। भागना मत! जगह भारत की संसद, नई दिल्ली। वीजा की जरूरत नहीं।'
रेखा गुप्ता की ओर से राहुल गांधी को संसद में बहस की चुनौती तब दी गई, जब उन्होंने मंगलवार की शाम को प्रधानमंत्री को डिबेट करने का चैलेंज किया था। राहुल गांधी के एक्स पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए दिल्ली की सीएम ने संसद में उनसे बहस करने की चुनौती दे दी।
राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा था, ÷24 घंटे हो गए, मोदी जी। मैंने आपको चैलेंज दिया है। आप कहते हैं कि विपक्ष देशद्रोही है। किसी भी स्टेज पर आप जगह चुनिए, डिबेट कीजिए मेरे साथ। देशद्रोही कौन है? विदेशी ताकतों का कनेक्शन किसका है? और किस प्रकार का कनेक्शन है? जल्दी से जल्दी कीजिए, डरिए मत। दोनों मिलेंगे, मीडिया होगी, देश के युवा होंगे, टेबल होगी, एक साइड आप बैठेंगे, एक साइड मैं बैठूंगा। जिसको आप जज बनाना चाहते हैं, बना दीजिए। मोहन भागवत जी को बिठा दीजिए, चलिए। और फिर डिबेट करते हैं।' राहुल गांधी ने आगे लिखा था, 'सवाल उठेंगे फाइनेंशियल सिस्टम पर, फाइनेंशियल स्ट्रक्चर पर, यूएस डील कैसे हुई, क्यों हुई, इतनी जल्दी क्यों हुई, सिर्फ आपने क्यों की, कैबिनेट को क्यों नहीं बताया, एपस्टीन- ऐसी बहुत सारी चीजें हैं, जिन पर खुलकर डिस्कशन होगा। आ जाइए, डरिए मत। दूध का दूध, पानी का पानी कीजिए। आप एलिगेशन लगाते हैं न मेरे ऊपर, आ जाइए, सब साफ हो जाएगा।'
कांग्रेस ने एक्स पोस्ट में लिखा, ÷बाकी चीजों पर आपने मानहानि का केस लगा रखा है, शायद 45 मानहानि के केस मेरे ऊपर हैं। मगर इस डिबेट के मामले में, विदेशी कनेक्शन पर आप मानहानि नहीं लगा रहे हैं। लगाइए न, वहां भी डिस्कस करेंगे, खुलकर। ये सब डिस्कस करते हैं, आइए। हैप्पी दीपावली।'



ग्रीन पटाखों की अनुमति का फैसला स्वागत योग्य: दीपक गाबा

नई दिल्ली, एजेंसी।
दीपावली पर दिल्ली-एनसीआर में सीमित समय के लिए ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का भाजपा शाहदरा जिला अध्यक्ष दीपक गाबा ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय धार्मिक आस्था और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने वाला है।
दीपक गाबा ने कहा कि दीपावली भारतीय संस्कृति, परंपरा और आस्था का प्रमुख पर्व है। भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन की



स्मृति में मनाए जाने वाले इस त्योहार से करोड़ों लोगों की भावनाएं जुड़ी हैं। ऐसे में लोगों को परंपराओं के अनुरूप दीपोत्सव मनाने का अवसर मिलना चाहिए।
उन्होंने कहा कि न्यायालय ने 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे तक निर्धारित मानकों वाले प्रमाणित ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति दी है। 9 नवंबर से प्रतिबंध फिर प्रभावी होगा।
दीपक गाबा ने दिल्लीवासियों से निर्धारित समय और न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा केवल प्रमाणित ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि दीपावली की खुशियां मनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण और नागरिकों के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी जरूरी है।

दीपावली से पहले ही जहरीली हुई दिल्ली की हवा : महेंद्र भास्कर



नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर करोलबाग जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र भास्कर ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि दीपावली से पहले ही दिल्ली की हवा बेहद जहरीली हो चुकी है, लेकिन सरकार जमीनी स्तर पर ठोस कदम उठाने के बजाय केवल दावे और घोषणाएं कर रही है। महेंद्र भास्कर ने कहा कि मंगलवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 350 दर्ज किया गया, जबकि जहांगीरपुरी में यह 452 तक पहुंच गया। राजधानी के 10 निगरानी केंद्रों पर सूचकांक 400 के पार रहा। उन्होंने कहा कि वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण कार्यों की धूल, कचरा जलाना और औद्योगिक उत्सर्जन प्रदूषण के प्रमुख कारण हैं। उन्होंने बताया कि 2 नवंबर को वायु प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान 8.583 प्रतिशत था, जो 3 नवंबर को बढ़कर 15.301 प्रतिशत हो गया। मौसम विभाग ने भी पूरे सप्ताह दिल्ली-एनसीआर में सुबह धुंध छाए रहने की आशंका जताई है। महेंद्र भास्कर ने सरकार से प्रदूषण के स्रोतों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने, योजनाओं की नियमित समीक्षा करने और प्रदूषण नियंत्रण पर हुए खर्च का विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को बयानबाजी छोड़कर धरातल पर काम करना चाहिए, ताकि दिल्लीवासियों को स्वच्छ हवा मिल सके।

भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण किट की वितरित

नई दिल्ली, एजेंसी।
दक्षिण दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने बुधवार को दिल्ली सरकार के पोषण अभियान के अंतर्गत आयोजित आंगन का मिलन कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पोषण किट वितरित की।
यह कार्यक्रम महिपालपुर गांव के राजकीय कन्या विद्यालय में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, मातृ एवं शिशु देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आंगनवाड़ी सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाना है।
इस मौके पर पूर्व मंत्री एवं क्षेत्र के विधायक कैलाश गहलोत भी मौजूद रहे। इससे पहले सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी आज देवली विधानसभा क्षेत्र में आंगन के मिलन कार्यक्रम में भी शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने यहां कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ को पोषण किट वितरित की। बिधूड़ी ने कार्यक्रम में केंद्र एवं दिल्ली सरकार की विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी।
इस अवसर पर पूर्व महापौर आरती मेहरा, जिला अध्यक्ष माया बिष्ट, निगम पार्षद अनीता सतपाल सिंघल, वरिष्ठ भाजपा नेता सतपाल सिंघल, भाजपा जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष आकृष्ट कौशिक, ओबीसी जिला मोर्चा अध्यक्ष बलराज चौधरी, मंडल अध्यक्ष बलविंदर कौर एवं रेखा चौहान तथा जिला भाजपा उपाध्यक्ष गगन प्रधान एवं रोहित कुड़िया, रोहित चौधरी, रूपचंद थाड़ीवाल और प्रमोद शर्मा उपस्थित रहे।
उल्लेखनीय है कि आंगन का मिलन कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का सम्मान किया जाता है। गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन संस्कारश्री अन्न (मिलेट्स) से बने पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी और बच्चों के लिए टीचिंग-लर्निंग मटेरियल का प्रदर्शन के साथ-साथ पोषण किट और सम्मान किट का वितरण किया जाता है।

यमुना क्रूज से पर्यटन को मिलेगा नया आयाम : डॉ. यूके चौधरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार की नमो यमुना रिवर सफारी पहल का भाजपा उत्तर पूर्वी जिला अध्यक्ष डॉ. यूके चौधरी ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यमुना में क्रूज सेवा शुरू होने से दिल्ली-एनसीआर में पर्यटन को नई पहचान मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं व्यापार के अवसर बढ़ेंगे। डॉ. यूके चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार पर्यटन सुविधाओं के विस्तार की दिशा में काम कर रही है। सोनिया विहार से जगतपुर स्थित शनि मंदिर तक लगभग 5 से 6 किलोमीटर के जलमार्ग पर क्रूज संचालित किया जाएगा। इसकी यात्रा करीब 35 से 45 मिनट की होगी और इसमें एक बार में 30 से 40 यात्री सफर कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि क्रूज यात्रा के लिए प्रति व्यक्ति लगभग 500 रुपये और परिसर में प्रवेश के लिए 50 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए वातानुकूलित व्यवस्था, जीवन रक्षक जैकेट और जैविक शौचालय जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। डॉ. चौधरी ने कहा कि यमुना तट पर खानपान केंद्र, भोजनालय, बच्चों के खेलने के स्थान और मनोरंजन की सुविधाएं विकसित होने से यह क्षेत्र प्रमुख पर्यटन केंद्र बन सकता है। इससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और छोटे व्यापारियों के कारोबार को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल उत्तर पूर्वी दिल्ली के आर्थिक और पर्यटन विकास को नई गति दे सकती है।

दिल्ली पुलिस ने करोल बाग में सोना चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली पुलिस ने करोल बाग में सोने के गहने चोरी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि चोरी हुए सभी गहने बरामद कर लिए गए हैं। इनका वजन लगभग 400 ग्राम है और इनकी कीमत करीब 45 लाख रुपए है।
अधिकारी ने बताया कि एक नवंबर को करोल बाग थाने में सोने के गहने चोरी होने की सूचना मिली। शिकायत के बाद मामले में एफआईआर दर्ज करते हुए टीम ने जांच शुरू की थी।
पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने करोल बाग के बीडनपुरा स्थित एक ज्वेलरी शॉप से करीब 400 ग्राम वजन का सोना खरीदा। शाम करीब 6 बजे गहने लेने के बाद उसने उन्हें एक बैग में रखा और बैग को अपनी मोटरसाइकिल के पीछे लटका दिया। इसके बाद वह ब्रिटानिया चौक स्थित अपने कार्यालय की ओर निकल पड़ा। जब वह अपने कार्यालय पहुंचा, तो उसने देखा कि बैग की चेन



खुली हुई थी और सोने के गहने गायब थे। इस संबंध में, करोल बाग थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। अपराध की गंभीरता को देखते हुए अपराधियों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान, आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की गई। फुटेज से पता चला कि बीडनपुरा में बैंक स्ट्रीट के चौराहे पर तीन लोगों ने मिलकर इस चोरी को अंजाम दिया था।
जांच में सामने आया कि आरोपियों में से एक ने यातायात पुलिसकर्मी के रूप में शिकायतकर्ता की मोटरसाइकिल को रोका था, जबकि दूसरे ने चुपके से बैग खोलकर गहने निकाल लिए। तीसरे आरोपी ने इस दौरान निगरानी रखी और अपराध को अंजाम देने में मदद की।
मामले की जांच करते हुए पुलिस ने शुरुआत में दो आरोपियों की पहचान की और मंगलवार को उन्हें आनंद पर्वत इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान, उनके तीसरे साथी की भी पहचान हुई और बाद में उसे भी आनंद पर्वत से ही गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल, दिल्ली पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

दिल्ली : मयूर विहार के निजी स्कूल की नौ वर्षीय छात्रा की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार स्थित एक निजी स्कूल में तीसरी कक्षा की नौ वर्षीय छात्रा की बुधवार को मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, सुबह करीब 9:52 बजे लवली पब्लिक स्कूल में बच्ची की मौत के संबंध में पीसीआर कॉल आई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस को सूचना दी गई थी कि बच्ची को निर्माण विहार स्थित मलिक रेडिक्स हेल्थ केयर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उनके मुताबिक, प्रारंभिक तफ्तीश के दौरान कक्षा के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई, जिसमें बच्ची अचानक गिरती हुई दिखाई दे रही है। पुलिस ने बताया कि घटना की वास्तविक परिस्थितियों का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि बच्ची के माता-पिता और स्कूल के संबंधित अधिकारियों के बयान दर्ज किए जाने हैं और सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है।

दिल्ली पुलिस ने शाहदरा में अवैध पटाखे बेचने वाले एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार, 311.97 किलो अवैध पटाखे बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली पुलिस ने शाहदरा इलाके में अवैध पटाखे बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी के घर की तलाशी भी ली गई, जिसके दौरान उसके घर से 311.97 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद किए गए।
दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को सूचना मिली थी कि हर्षित मित्तल नाम का एक व्यक्ति दिल्ली के बलबीर नगर स्थित शिव मंदिर के पास अपने घर से अवैध पटाखे बेच रहा है। यह भी बताया गया कि उक्त व्यक्ति को अवैध पटाखों के साथ पकड़ा जा सकता है। यह जानकारी तुरंत एएनटीएफ/शाहदरा के प्रभारी इंस्पेक्टर अर्जुन सिंह को दी गई, जिन्होंने आवश्यक कार्रवाई के लिए इसे उच्च अधिकारियों के पास भेजा।
पुलिस के अनुसार, गोपनीय सूचना की पूरी तरह से पुष्टि करने के बाद, एक विशेष रेड टीम का गठन किया गया। इस टीम का नेतृत्व एएनटीएफ/शाहदरा के प्रभारी इंस्पेक्टर अर्जुन सिंह ने किया।
छापेमारी के दौरान, टीम ने हर्षित मित्तल (26 वर्ष) नामक व्यक्ति को पकड़ा, जो दिल्ली के बलबीर नगर स्थित शिव मंदिर के पास रहता है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आरोपी के घर की तलाशी ली गई, जिसके दौरान उसके घर से 311.97 किलोग्राम अवैध पटाखे बरामद किए गए।
बरामद किए गए अवैध पटाखों को जब्त कर लिया गया और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया। इसके तहत, दिल्ली के शाहदरा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। यह मामला बीएनएस की धारा 288/125 और विस्फोटक अधिनियम की धारा 9(बी) के अंतर्गत दर्ज किया गया है। जांच के दौरान, आरोपी को गिरफ्तार किया गया और उससे पूछताछ की गई।
पुलिस ने बताया कि आरोपी हर्षित मित्तल (उम्र 26 वर्ष) दिल्ली के बलबीर नगर का रहने वाला है। बताया जाता है कि वह एक रेस्तरां में काम करता था और दिहाड़ी मजदूरी करके अपनी आजीविका चलाता था। आर्थिक तंगी के कारण, उसने जल्दी पैसे कमाने के इरादे से अवैध रूप से पटाखे बेचने का काम शुरू किया था।



जनजातीय महापुरुषों के बलिदान और गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाएं पार्टी कार्यकर्ता - गजेन्द्र सिंह पटेल

जनजातीय गौरव सप्ताह को गांव-गांव तक पहुंचाकर समाज के महापुरुषों का योगदान बताएंगे - चन्द्रशेखर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद गजेन्द्र पटेल, भाजपा के संघटक वी सतीश, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम ने 'जनजातीय गौरव सप्ताह' को लेकर गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित अनुसूचित जनजाति मोर्चा की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला का दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल ने कहा कि 'जनजातीय गौरव सप्ताह' के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के जरिए जनजातीय महापुरूषों के बलिदान और गौरवशाली इतिहास को कार्यकर्ता जन-जन तक पहुंचाएं। भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि जनजातीय गौरव सप्ताह को गांव-गांव तक पहुंचाकर समाज के महापुरूषों का योगदान बताएं। अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज सिंह टेकाम ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जयंती की पूर्व संध्या पर 14 नवंबर को प्रदेशभर में स्वच्छता और दीप प्रज्ज्वलन के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जनजातीय बहुल गांवों में चौपाल, छात्रावासों में संपर्क, प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान और महिला हितग्राहियों से संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यशाला में केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके, मती सावित्री ठाकुर मंचासीन रहे। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल ने कहा कि जनजातीय समाज का देश की



स्वतंत्रता, संस्कृति, स्वाभिमान और राष्ट्र की रक्षा में अतुलनीय योगदान रहा है। भगवान बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती, भीमा नायक, खाज्या नायक, शंकर शाह, रघुनाथ शाह और वीर नारायण सिंह जैसे जनजातीय महापुरुषों ने विदेशी आक्रांताओं और अंग्रेजी शासन के अत्याचारों के विरुद्ध अदम्य साहस के साथ संघर्ष किया। जनजातीय क्रांतिवीरों के संघर्ष और बलिदान को देश के इतिहास में उचित स्थान दिलाना हम सभी की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत कर जनजातीय समाज के नायकों को राष्ट्रीय पहचान और सम्मान दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज के गौरवशाली इतिहास, परंपराओं और राष्ट्र के प्रति योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प है। मध्यप्रदेश में जनजातीय समाज की बड़ी आबादी निवास करती है। ऐसे में जनजाति मोर्चा के प्रत्येक पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी है कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं। भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 11 से 18 नवंबर तक प्रदेशभर में जनजातीय गौरव सप्ताह मनाया जाएगा। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों सहित विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। अनुसूचित जनजाति समाज की भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण में भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जनजातीय गौरव सप्ताह के दौरान प्रत्येक जिले में 50 प्रतिशत या उससे अधिक जनजातीय आबादी वाले गांवों को चिह्नित कर वहां चौपाल आयोजित की जाएंगी।



उप मुख्यमंत्री ने किया 150 बिस्तरीय अस्पताल निर्माण का निरीक्षण

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने गुरूवार को सतना जिले के प्रवास के दौरान जिला चिकित्सालय परिसर सतना पहुचकर वहां चल रहे 150 बिस्तरीय अस्पताल के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस मौके पर सांसद सतना श्री गणेश सिंह और महापौर श्री योगेश ताम्रकार भी उनके साथ उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान 150 बिस्तरीय अस्पताल के अब तक किये गये निर्माण कार्य का अवलोकन किया। उन्होने पीआईयू के अधिकारियो से कहा कि अस्पताल का कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल भवन के पूर्ण होने के पहले आवश्यक उपकरण और फर्नीचर इत्यादि की व्यवस्था भी पूर्ण कर ली जाये। एसडीओ पीआईयू मंदाकिनी गुप्ता ने इस मौके पर बताया कि जिला चिकित्सालय सतना में 100 बिस्तरीय वार्ड और 50 बिस्तरीय क्रिटिकल केयर हेल्थ ब्लाक और इन्टीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ ब्लाक का निर्माण 32.54 करोड की लागत से किया जा रहा है। वर्तमान में भवन के चतुर्थ तल के छत का कार्य चल रहा है। ग्राउण्ड एवं प्रथम तल पर प्लास्टर और द्वितीय तल पर ब्रिक वर्क किया जा रहा है। सतना जिला चिकित्सालय परिसर में बन रहे 150 बिस्तरीय नवीन अस्पताल भवन का कार्य मई 2027 तक पूरा कर लिया जायेगा। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला, सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. अमर सिंह सहित पी.आई.यू. के अधिकारी उपस्थित रहे।

संभागायुक्त श्री शर्मा ने दीं दीपावली पर्व की शुभकामनाएं

दीपावली पर स्वदेशी उत्पादों की खरीद को प्राथमिकता दें - संभागायुक्त शर्मा

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने कहा हैं कि दीपावली पर्व के पावन अवसर पर वोकल फॉर लोकल का संकल्प लें तथा स्वदेशी उत्पादों की खरीद को प्राथमिकता दें। उन्होंने दीपावली पर्व के अवसर पर समस्त संभागवासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाईदूज आदि की शुभकामनाएं दी हैं और आशा व्यक्त की है कि सभी का जीवन खुशी, समृद्ध और मंगलमय हो। उन्होंने कहा है कि आइए, हम सभी मिलकर दीपावली के इस पावन पर्व को खुशियां बांटने, आत्मीयता बढ़ाने तथा सामाजिक सौहार्द और समृद्धि को सशक्त बनाने के संकल्प के साथ मनाएं। कर्मवीर शर्मा ने कहा है कि दीपावली का यह पावन पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और बुराई



पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। मेरी मंगलकामना है कि दीपों का यह महापर्व प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति, खुशहाली और समृद्धि का नया उजाला लेकर आए। ईश्वर से प्रार्थना है कि हर घर-आंगन खुशियों के दीपों से रोशन हो तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और आपसी भाईचारे की भावना और अधिक सुदृढ़ हो।

शर्मा ने कहा है कि इस शुभ अवसर पर आप सभी से आग्रह है कि स्थानीय कलाकारों, कुम्हारों एवं माटी के शिल्पकारों को प्रोत्साहित करने के लिए वोकल फॉर लोकल का संकल्प लें और स्वदेशी उत्पादों की खरीद को प्राथमिकता दें। साथ ही, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाएं।

स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, छात्रावासों में बनाएं एन्टी ड्रग्स समितियां

ड्रग्स और अवैध शराब की बिक्री, परिवहन, निर्माण पर करें कठोर कार्रवाई - संभागायुक्त शर्मा

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

संभाग आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि संभाग के सभी जिलों में ड्रग्स और अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, परिवहन आदि के विरूद्ध निरंतर अभियान चलाकर ऐसा करने वालों के खिलाफ रा.सु.का, एन.डी.पी.एस एक्ट आदि के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाए, इनका नेटवर्क ध्वस्त किया जाए। साथ ही नशे के दुष्परिणामों के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जाए। इस कार्य में थोड़ी भी लापरवाही अथवा कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पूर्ण अर्न्तविभागीय समन्वय और अर्न्तजिला समन्वय के साथ भोपाल संभाग को ड्रग्स मुक्त और अवैध शराब मुक्त किया जाए।

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने इस संबंध में गुरूवार को संभागाायुक्त कार्यालय में विभाग के सभी जिलों की अर्न्तविभागीय समीक्षा बैठक लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए, जिसमें सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में वीसी के माध्यम से भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार, आईजी भोपाल देहात पंकज पाण्डे, आईजी नर्मदापुरम चंद्रशेखर सोलंकी, संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, आबकारी



अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि संभाग के सभी विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और छात्रावासों में एन्टी ड्रग्स समितियां बनाई जाएं, जो नियमित बैठकें करें और ड्रग्स के उपयोग के विरूद्ध विद्यार्थियों को जागरूक करें। साथ ही ड्रग्स, अवैध शराब की बिक्री, परिवहन आदि की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन को उपलब्ध कराएं। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि ड्रग्स के उन्मूलन के? लिए जिलेवार कार्य योजना बनाएं और उस पर अमल किया जाए। प्रत्येक छात्रावास के लिए एक नोडल अधिकारी बनाया जाए जो ड्रग्स के विरूद्ध निरंतर कार्रवाई करें। साथ ही पुलिस प्रशासन, आबकारी अधिकारी आदि का संयुक्त दल विद्यालयों, छात्रावासों और अन्य स्थलों का निरंतर भ्रमण कर ड्रग्स के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करे। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि जिले में स्थित नशा मुक्ति केन्द्रों का भी अधिकारी निरीक्षण करें। कलेक्टर राजगढ़ ने बताया कि राजगढ़ जिले में कोई नशामुक्ति केन्द्र नहीं है। संभागायुक्त शर्मा ने इस संबंध में जिले से भेजे गए प्रस्ताव पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश सामाजिक न्याय विभाग को दिए। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक कर ड्रग्स के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। दवा की दुकानों से बिकने वाली दवाओं का ड्रग्स के रूप में दुरूपयोग न हो पाए, इसके लिए मेडिकल एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर कार्रवाई की जाए। मैदानी स्तर पर ड्रग्स और अवैध शराब के विरूद्ध कार्रवाई के लिए मोहल्लावार समितियां बनाई जाएं।



धार पुलिस की ऑपरेशन 'प्रहार' के तहत अवैध गांजा खेती पर दो बड़ी कार्रवाई

दो अलग-अलग स्थानों से कुल 969.335 किलोग्राम गांजे के 1,284 हरे पौधे जप्त

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में नशे के अवैध कारोबार एवं मादक पदार्थो की खेती के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक धार श्री सचिन शर्मा के निर्देशन में धार पुलिस ने ऑपरेशन ÷प्रहार÷ के तहत अवैध गांजा खेती के विरुद्ध दो अलग-अलग बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 1,284 हरे पौधे जप्त किए हैं। जप्त पौधों का कुल वजन 969.335 किलोग्राम है, जिसकी अनुमानित कीमत 1 करोड़ 57 लाख 12 हजार रुपये है। दोनों कार्रवाई में अवैध गांजा खेती करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। थाना टाण्डा पुलिस ने ग्राम जाली में दबिश देकर आरोपी के कपास के खेत से गांजे के 1,134 हरे पौधे जप्त किए। इनका कुल वजन 518.335 किलोग्राम तथा अनुमानित बाजार मूल्य लगभग 1 करोड़ 3 लाख रुपये है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर थाना टाण्डा में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। कपास एवं तुअर की फसल के बीच उगाए गए इन पौधों का कुल वजन 451 किलोग्राम तथा अनुमानित कीमत 54 लाख 12 हजार रुपये है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मादक पदार्थो की अवैध खेती, उत्पादन, तस्करी एवं वितरण से जुड़े नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का यह अभियान केवल अवैध मादक पदार्थो की जप्ती तक सीमित न रहकर इनके स्रोत, सप्लाई नेटवर्क और इस अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करने पर भी केंद्रित है।

आरोपी के कब्जे से अवैध पिस्टल, रायफल और 49 कारतूस जब्त

80 हजार रूपए के इनामी कुख्यात बदमाश कल्ली गुर्जर मुरैना पुलिस से मुठभेड़ में घायल, साथी सहित गिरफ्तार



प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन में प्रदेश में संगठित अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त फरार और इनामी बदमाशों के विरुद्ध मध्यप्रदेश पुलिस की सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में मुरैना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 80 हजार रूपए के इनामी कुख्यात बदमाश कल्ली उर्फ किलेदार गुर्जर को पुलिस मुठभेड़ के बाद उसके साथी अजय गुर्जर सहित गिरफ्तार किया है। थाना बानमोर क्षेत्रांतर्गत ललितापुरा पहाड़ी गांव के समीप जंगलों में हुई मुठभेड़ के दौरान पुलिस की आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में कल्ली गुर्जर के पैर में गोली लगी, जबकि उसका साथी भी घायल हुआ। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस महानिरीक्षक चंबल जोन श्री सचिन कुमार अतुलकर एवं पुलिस उप महानिरीक्षक चंबल रेंज मुरैना श्री सुनील कुमार जैन के निर्देशानुसार जिले में फरार इनामी बदमाशों एवं आदतन अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक मुरैना श्री धर्मराज मीना के निर्देशन में कुख्यात बदमाश कल्ली उर्फ किलेदार गुर्जर की गिरफ्तारी के लिए विशेष रणनीति तैयार कर पुलिस टीमों का गठन किया गया था। टीम को 05 नवंबर को सूचना मिली कि इनामी बदमाश कल्ली गुर्जर अपने साथी के साथ थाना बानमोर क्षेत्र के ललितापुरा पहाड़ी गांव के समीप जंगल में मौजूद है। पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी किए जाने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की।

राजगढ़ जिले के पारेषण नेटवर्क को मिली नई कनेक्टिविटी, भविष्य में सुजालपुर ग्रिड से भी मिल सकेगी बिजली

एमपी ट्रांसको ने सुठालिया में ऊर्जीकृत किए दो नए 132 केवी सर्किट : ऊर्जा मंत्री तोमर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने राजगढ़ जिले के 132 केवी सुठालिया सब स्टेशन में दो नए 132 केवी फीडर बे सफलतापूर्वक स्थापित कर ऊर्जीकृत किए हैं। इनके माध्यम से 132 केवी ब्यावरा और 132 केवी मधुसूदनगढ़ ट्रांसमिशन लाइनों को सुठालिया सब स्टेशन से जोड़ा गया है। यह कार्य 132 केवी ब्यावराङ्कमधुसूदनगढ़ ट्रांसमिशन लाइन की लाइन, इन लाइन आउट व्यवस्था के अंतर्गत किया गया है। ऊर्जा मंत्री तोमर ने बताया कि इस नई कनेक्टिविटी से राजगढ़ जिले के विद्युत पारेषण नेटवर्क को मजबूती मिलेगी। क्षेत्र को बिजली आपूर्ति के लिए एक अतिरिक्त वैकल्पिक स्रोत उपलब्ध होने से पारेषण



व्यवस्था की विश्वसनीयता बढ़ेगी। साथ ही, भविष्य में 400 केवी पावर ग्रिड सुजालपुर से भी इस क्षेत्र को बिजली उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होगा। एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता (अति उच्च दाब निर्माण) एस.के. दुबे ने जानकारी दी कि लाइन इन, लाइन आउट कार्य के अंतर्गत 132 केवी सुठालियाङ्कब्यावरा तथा 132 केवी सुठालियाङ्कमधुसूदनगढ़ लाइनों के लिए डबल सर्किट, डबल स्ट्रिंगिंग की कुल 11.34 सर्किट किलोमीटर लंबी नई ट्रांसमिशन लाइनों का निर्माण किया गया है। इस कार्य में कुल 37 ट्रांसमिशन टावर स्थापित किए गए हैं। विभिन्न व्यावहारिक चुनौतियों के बावजूद कार्य पूरा कर दोनों फीडर बे सफलतापूर्वक ऊर्जीकृत किए गए। इससे सुठालिया सब स्टेशन को ब्यावरा और मधुसूदनगढ़ की ओर से नई पारेषण कनेक्टिविटी प्राप्त हुई है। यह कार्य मुंबई की मेसर्स विक्रान कंपनी द्वारा लगभग 15.67 करोड की अनुमानित लागत से टर्नकी आधार पर किया गया है।

आंगनवाड़ी केंद्रों में स्वच्छता, बेहतर अधोसंरचना और गुणवत्तापूर्ण शाला पूर्व शिक्षा को दें सर्वोच्च प्राथमिकता

हर अधिकारी एक आंगनवाड़ी केंद्र को गोद लेकर बनाए विकास का आदर्श मॉडल : आयुक्त संदीप जी.आर.

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

महिला एवं बाल विकास विभाग के आयुक्त श्री संदीप जी.आर. ने कहा है कि आंगनवाड़ी केंद्रों को केवल पोषण एवं शाला पूर्व शिक्षा के केंद्रों तक सीमित न रखते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास के आदर्श केंद्रों के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए विभाग का प्रत्येक अधिकारी अपने नियमित शासकीय दायित्वों के अतिरिक्त कम से कम एक आंगनवाड़ी केंद्र को गोद लेकर उसके समग्र उन्नयन की व्यक्तिगत जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने कहा कि केंद्रों में स्वच्छता, सुरक्षित एवं बाल अनुकूल वातावरण, बेहतर अधोसंरचना, गुणवत्तापूर्ण शाला पूर्व शिक्षा और उपलब्ध सुविधाओं में सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। आयुक्त श्री संदीप जी.आर. गुरुवार को इंदौर में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभागीय योजनाओं और सेवाओं के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रशासनिक निगरानी के साथ अधिकारियों की व्यक्तिगत सहभागिता भी आवश्यक है। प्रत्येक अधिकारी अपने चयनित केंद्र को सभी दृष्टियों से आदर्श बनाने का प्रयास करे, जिससे अन्य केंद्रों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिले।

आयुक्त श्री संदीप जी.आर. ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जिन स्थानों पर शासकीय भवन उपलब्ध नहीं हैं, वहां केंद्रों के संचालन के लिए उपयुक्त एवं बेहतर किराए के भवनों का चयन किया जाए। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों से शिक्षा प्राप्त कर चुके युवाओं को भी इन केंद्रों के विकास से जोड़ने की पहल करने



को कहा। उन्होंने कहा कि पूर्व में इन केंद्रों से जुड़े युवा भविष्य में इनके उन्नयन में महत्वपूर्ण सहयोगी बन सकते हैं। बैठक में आयुक्त श्री संदीप जी.आर. ने विभागीय अधिकारियों के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से भी सीधा संवाद किया। उन्होंने कुपोषित बच्चों की देखभाल, पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाओं तथा केंद्रों के नियमित संचालन में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों की जानकारी ली। कार्यकर्ताओं ने पोषण ट्रैकर और संपर्क ऐप में जानकारियों की दोहरी प्रविष्टि तथा फेस रिकग्निशन सिस्टम में अधिक समय लगने जैसी समस्याओं से अवगत कराया। आयुक्त ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए इनके व्यावहारिक समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। आयुक्त श्री संदीप जी.आर. ने विभागीय कार्यप्रणाली को अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए डिजिटलीकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने परियोजना एवं अन्य विभागीय कार्यालयों में कागज का उपयोग न्यूनतम करने तथा अभिलेखों और कार्यालयीन प्रक्रियाओं को डिजिटल स्वरूप देने के निर्देश दिए। बैठक में परियोजना अधिकारियों ने विभागीय नवाचारों 'आरंभ' और 'समस्या समाधान शिविर' को मैदानी समस्याओं के निराकरण की दिशा में उपयोगी बताते हुए आयुक्त के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक के बाद आयुक्त श्री संदीप जी.आर. ने इंदौर कलेक्ट्रेट परिसर में बाल संरक्षण संस्थाओं के बच्चों द्वारा तैयार दीपावली की साज-सज्जा सामग्री एवं कलात्मक दीपों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया और स्वयं कलात्मक दीपों एवं साज-सज्जा सामग्री की खरीदारी भी की।

रोज कितना प्रोटीन खाना चाहिए? उम्र के मुताबिक समझें शरीर की जरूरत



प्रोटीन की बात आए तो इसे सीधे वेट लॉस या फिर मसल्स से जोड़ते हैं, लेकिन ये शरीर में कई रोल प्ले करता है. जरूरी है कि आप डेली सही मात्रा में प्रोटीन लें. इस बारे में जानिए न्यूट्रिशनिस्ट की राय.

प्रोटीन की शरीर में पूर्ति को लेकर लोग अक्सर लापरवाही बरतते हैं. दरअसल ज्यादातर भारतीयों की थाली में प्रोटीन को ज्यादा तरजीह तभी दी जाती है जब उन्हें वजन घटाना हो या फिर मांसपेशियों को टोन करना हो, लेकिन आपके शरीर में इस न्यूट्रिएंट्स की जरूरत उससे कहीं ज्यादा होती है. इसी के साथ लोग प्रोटीन की मात्रा को लेकर भी उलझन में रहते हैं. ये समझना बेहद जरूरी है कि प्रोटीन के ग्राम का मतलब किसी फूड में मौजूद प्रोटीन की मात्रा से होता है, न कि उस फूड के वजन से. जैसे 1 अंडे का वजन नकरीबन 60 ग्राम तक हो सकता है, लेकिन इसमें 6 से 8 ग्राम ही प्रोटीन पाया जाता है.प्रोटीन हमारे शरीर में मसल्स बिल्डअप के अलावा और किन चीजों के लिए जरूरी होता है. किस उम्र में ये हमारे शरीर में क्या काम करता है. प्रेग्नेंसी से लेकर हेल्दी व्यस्क तक के लिए डेली कितने प्रोटीन की जरूरत होती है और प्रोटीन की पूर्ति किन फैक्टर पर डिपेंड करती है.

प्रोटीन की क्यों होती है जरूरत?

न्यूट्रिशनिस्ट गीतिका चोपड़ा कहती हैं कि प्रोटीन हमारी बॉडी के लिए सिर्फ मसल्स बनाने तक लिमिटेड नहीं है, बल्कि ये मसल्स रिपेयर. इम्यूनिटी, हार्मोन, एंजाइम और ओवरऑल ग्रोथ में इंपॉर्टेंट रोल प्ले करता है. उनका कहना है कि वो अपने क्लाइंट्स को हमेशा बताती हैं कि प्रोटीन की जरूरत हर उम्र में अलग होती है. बच्चों को ग्रोथ और डेवलपमेंट के लिए, टीनएजर्स को प्यूबर्टी के दौरान मसल्स, टिश्यूज के विकास के लिए, और व्यस्क लोगों को मसल्स की मेंटीनेंस के साथ ही बॉडी रिपेयर के लिए प्रोटीन की आवश्यकता होती है.

उम्र के मुताबिक प्रोटीन

गीतिका चोपड़ा ने बताया अगर आप बेसिक तौर पर उम्र के हिसाब से प्रोटीन की जरूरत की बात करें तो हेल्दी व्यस्क लोगों के लिए कम से कम 0.8 ग्राम पर किलोग्राम बॉडी वेट के हिसाब से हर दिन प्रोटीन इनटेक लेना चाहिए. इसे इस तरह से समझ सकते हैं कि अगर किसी व्यस्क का वजन 60 किलो है तो उसे लगभग 48 ग्राम प्रोटीन डेली चाहिए होता है. बुजुर्गों में उम्र के कारण मसल्स लॉस होने लगता है. इस वजह से उन्हें अक्सर 1-1.2 ग्राम पर कि.ग्रा. बॉडी वेट के हिसाब से प्रोटीन की जरूरत हो सकती है. हालांकि ये देखना होगा कि किडनी फंक्शन कैसा है और क्या उनकी बॉडी और हेल्थ के मुताबिक इतना प्रोटीन इनटेक सही है या नहीं. इसी तरह के प्रेग्नेंसी और ब्रेस्ट फीड कराने वाली माओं के लिए प्रोटीन की जरूरत लगभग 71 ग्राम हो सकती है.

कैसे डिसाइड करें प्रोटीन कितना चाहिए?

एक्सपर्ट कहती हैं कि प्रोटीन की जरूरत सिर्फ उम्र के हिसाब से डिसाइड नहीं की जा सकती है. इसके लिए शरीर का वजन, रोजाना की जाने वाली शारीरिक गतिविधि, हेल्थ कंडीशन और लाइफस्टाइल भी मायने रखते हैं. जो लोग रोजाना एक्सरसाइज या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते हैं, उन्हें बेसिक से ज्यादा प्रोटीन की जरूरत हो सकती है. इसके लिए भले ही महंगे प्रोटीन सप्लीमेंट लेना कंपलसरी नहीं होता है, लेकिन आप प्रोटीन रिच फूड्स को थाली का हिस्सा बनाएं.

प्रोटीन के सोर्स?

भारतीय थाली में शामिल कई जाने वाली कई ऐसी चीजें हैं जो प्रोटीन का बेहतरीन सोर्स होती हैं.

...फिर भी संघ-भाजपा का राग 'घुसपैठिया' जारी!



सबसे बढ़कर यह प्रकरण यही दिखाता है कि नागरिकता जांच की अपनी सारी कसरत के जरिए भाजपा के मनमाफिक टार्गेटिंग की अपनी सारी कोशिशों के बावजूद, एसआईआर की प्रक्रिया भी किसी उल्लेखनीय संख्या में %घुसपैठियों% को खोजने में नाकाम रही है क्योंकि ये करोड़ों घुसपैठिये संघ के प्रचार की ही कृति हैं और वहीं रहते हैं। समाचार पढ़ें

मोदीशाही के अंत की शुरूआत हो गयी है। 1 नवंबर की इंडिया ब्लाक समेत तमाम विपक्ष की रामलीला मैदान की विशाल रैली ने, बिगुल बजाकर मोदीशाही के अंत की शुरूआत का ऐलान किया है। देश भर में तेजी से लोगों की जुबान पर चढ़ते %वोट चोरी% के नारे का मुकाबला करने की कोशिश में, संघ-भाजपा जोड़ी जिस तरह के न सिर्फ भोंथरे बल्कि बाकायदा पिटे हुए हथियारों का सहारा लेने पर मजबूर नजर आती है, वह एक प्रकार से अंत की इस शुरूआत का ही कबूलनामा है। जाहिर है कि लड़ाई में पिटे हुए हथियारों का सहारा लेना, मन से बाजी में हार मान लेने की ही निशानी होता है।घुसपैठियों के न सिर्फ घुस आने बल्कि छा जाने का सरासर झूठा सांप्रदायिक डर फैलाना ही वह पिटा हुआ हथियार है, जिसका मतदाता सूचियों से लेकर चुनाव संचालन तक, समूची चुनाव व्यवस्था में ईमानदारी यानी निष्पक्षता सुनिश्चित किए जाने से जुड़ी मांगों पर केंद्रित जन-आंदोलन के खिलाफ, संघ-भाजपा अपने मुख्य हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। जैसाकि अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है, मौजूदा निजाम के चाणक्य कहलाने वाले, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ही %वोट चोरी% के खिलाफ जनतंत्र की परवाह करने वाली सभी शक्तियों तथा लोगों के व्यापक अभियान के खिलाफ, %घुसपैठिया आया, घुसपैठिया आया% को हथियार बनाने की शुरूआत की थी। इस व्यापक जन-लामबंदी में दरार डालने की कथित चाणक्य नीति आजमाने में ही अपनी सारी चतुराई लगाते हुए, अमित शाह ने छांटकर राहुल गांधी तथा कांग्रेस को निशाना बनाते हुए यह दावा किया था कि, वे %घुसपैठियों को बचाने के लिए% ही एसआईआर में वोट कटने के वोट चोरी होने का झूठा शोर मचा रहे थे। याद रहे कि इस तरह, एसआईआर के नाम पर करोड़ों की संख्या में, 2024 के आम चुनाव में मतदान करने वाले मतदाताओं के नाम काटे जाने को %घुसपैठिया-विरोधी कार्रवाई% बताकर सही ठहराने की कोशिश, कोई साधारण राजनीतिक नेता नहीं कर रहा था बल्कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के गृहमंत्री के पद पर बैठा व्यक्ति कर रहा था। और यह दावा इसके बावजूद किया जा रहा था कि मोदाशाही के बारह साल से ज्यादा में संसद में पूछे गए प्रश्नों से लेकर, सूचना का अधिकार के तहत पूछे गए प्रश्नों तक के जवाब में, खुद गृह मंत्रालय द्वारा आधिकारिक रूप से बार-बार यह माना गया था कि सरकार के पास घुसपैठियों के संबंध में संख्या आदि की कोई ठोस जानकारी ही नहीं है!वास्तव में एसआईआर से भी पहले, संघ परिवार के सांप्रदायिक प्रचार से संचालित घुसपैठियों की अंधाधुंध खोज का, आम जनता के लिए ऐसा ही तकलीफदेह अभ्यास, असम में हुआ था। इसका नाम था, एनआरसी का अद्यतनकरण। याद रहे कि इस प्रक्रिया को मोदी-शाह की सरकार देश भर में लागू करना चाहती थी। अब चोर दरवाजे एसआईआर के नाम पर, वही खेल खेलने की कोशिश की ा रही है। और असम में एनआरसी का क्या हुआ?बेशक, बांग्लादेश से लगती हुई सीमा वाला राज्य होने के चलते, असम में 1971 में बांग्लादेश की स्थापना के दौर की उथल-पुथल के दौरान तथा उसके बाद भी, रोजी-रोटी की तलाश में बांग्लादेश से गरीब मजदूरों के आने का सिलसिला चलता रहा था। इसी मुद्दे को लेकर 1980 के दशक में असम में उग्र-बांग्लादेशी-विरोधी आंदोलन भी चला था, जिसका अंत 1985 के असम समझौते पर हुआ था। इसी समझौते के एक प्रावधान के आधार पर और भाजपा व संघ परिवार के अनवरत प्रचार के दबाव में तथा सुप्रीम कोर्ट के अनुमोदन से, भाजपा के राज में असम में एनआरसी कराया गया। हजारों करोड़ रुपए फूंक कर और सैकड़ों जानें कुर्बान करने तथा समूची जनता तथा खासतौर पर गरीब, अशिक्षित, सामाजिक रूप से कमजोर लोगों तथा महिलाओं को बेशुमार तकलीफों से गुजारने के बाद, एसआईआर की ही तरह नागरिकता-जांच की इस प्रक्रिया के अंत में, करीब 20 लाख असमवासियों की नागरिकता को संदिग्ध करार दिया गया था। लेकिन, अंत में जब यह सच सामने आया कि संघ के प्रचार और उसकी अपेक्षाओं के विपरीत, इस प्रक्रिया में अपनी नागरिकता साबित न कर पाने वालों में दो-तिहाई हिंदू ही थे, जबकि मुसलमान एक-तिहाई से भी कम थे, तो संघ परिवार को पल्टी मारने में देर नहीं लगी और भाजपा की राज्य सरकार ने सिर्फ एनआरसी को नामंजूर ही नहीं किया बल्कि एनआरसी कराने वाले उच्चाधिकारियों को तरह-तरह के मुकद्दमों में भी फंसा दिया। और इस तरह, यह पूरी कसरत सिर्फ इसलिए जनता के लिए अकारण मुसीबत बनकर रह गयी कि उसके नतीजे, घुसपैठियों के खतरे के संघ परिवारी प्रचार से मेल नहीं खाते थे।काफी हद तक ऐसा ही किस्सा, एसआईआर का रहा है, जिसके पीछे भी %घुसपैठियों के खतरे% के बेतहाशा अतिरंजित संघ-भाजपायी प्रचार से बनी धारणाएं ही थीं। यह कोई संयोग ही नहीं है कि बिहार से 2025 के जून में जब एसआईआर की प्रक्रिया की शुरूआत हुई थी, तभी से न सिर्फ भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा और संघ कुनबे द्वारा नागरिकता जांच की ओर इशारा करने वाली इस प्रक्रिया की समूची डिजाइन की, विपक्ष की आलोचनाओं के सामने, यह कहकर हिमायत की जा रही थी कि यह मतदाता सूचियों को %घुसपैठियों% से शुद्ध करने के लिए जरूरी था बल्कि खुद चुनाव आयोग ने भी बाकायदा अपनी विज्ञप्ति में मतदाता सूचियों में %विदेशी अवैध प्रवासियों के नामों की मौजूदगी% को, इस अभूतपूर्व कसरत का एक प्रमुख कारण बताया गया था।हैरानी की बात नहीं है कि जब बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हुई, मीडिया और विपक्ष के भी बार-बार पूछने के बावजूद, चुनाव आयोग ने इस सरल से सवाल का जवाब देने से इंकार कर दिया कि जिन एक करोड़ से कुछ कम लोगों के नाम इस प्रक्रिया में मतदाता सूचियों से काटे गए थे, उनमें से कितने नाम विदेशी नागरिक होने के आधार पर काटे गए थे! वजह बहुत सरल थी। छ- करोड़ से ज्यादा मतदाताओं में ऐसे लोगों की संख्या 600 भी नहीं थी। उनमें भी नेपाली महिलाओं की संख्या ही ज्यादा थी, जिनका ससुराल बिहार में है। मुसलमानों की संख्या, पांचवां हिस्सा भी नहीं थी, जबकि संघ परिवार के आख्यान में तो घुसपैठिया और मुसलमान समानार्थी ही हैं। यह दिलचस्प है कि उसके बाद से चुनाव आयोग ने तो एसआईआर प्रक्रिया के दौरान एक बार भी यह बताना गवारा नहीं किया है कि इस प्रक्रिया में कितने घुसपैठिए पकड़े गए हैं, लेकिन संघ परिवार के इसी बहाने से मतदाता सूचियों की चुनाव आयोग द्वारा सत्ताधारी पार्टी के अनुकूल काट-छांट की हिमायत करने में, कोई कमी नहीं आयी है। अमित शाह, वोट चोरी के आरोपों के सामने, इसी सिलसिले को आगे बढ़ा रहे थे। वोटर गाइड देखें

यह भी याद रहे कि अमित शाह द्वारा उक्त दावा इसके बावजूद किया जा रहा था कि तब तक, अब भी अधूरी एसआईआर की प्रक्रिया में, 2024 की मतदाता सूचियों में से 13 करोड़ 30 लाख से ज्यादा मतदाताओं के बाहर कर दिए जाने की जानकारी देश के सामने आ चुकी थी। याद रहे कि जिस बांग्लादेश को भारत में घुसपैठ का मुख्य स्रोत माना जाता है, उसकी आबादी कुल पौने अठारह करोड़ है।

बहरहाल, एसआईआर के घुसपैठियों के खतरे% के संघ परिवारी प्रचार का जोरदार खंडन ही बन जाने का किस्सा इतने पर ही खत्म नहीं हो जाता है। मीडिया में आयी खोजी रिपोर्टों के अनुसार, ऐसे छ- राज्यों में जहां एसआईआर की प्रक्रिया पूरी हो गयी है, 9 करोड़ 96 लाख मतदाताओं में से, कुल 1600 विदेशी पाए गए हैं। इनमें बांग्लादेशी तो छोड़ ही दें, मुसलमानों की भी संख्या उल्लेखनीय नहीं है। कर्नाटक में, 99 लाख 70 हजार मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, जिनमें कुल 716 विदेशी हैं और इनमें भी 545 नेपाली ही हैं। साफ है कि एसआईआर ने अंततः चूंकि एक प्रकार की गिनती है, उसने अगर भाजपा के मनमाफिक मतदाता सूचियां बनाने का काम किया है, तो दूसरी तरफ उसने अनजाने ही घुसपैठियों के खतरे% के गुब्बारे में पिन चुभोने का भी काम किया है।

फिर भी इस घुसपैठिया गुब्बारे को पूरी तरह से फाड़ने के साथ ही, संघ परिवार के एसआईआर के बचाव को भी ध्वस्त करने का श्रेय, हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक राजनीति के फायरब्रांड प्रतिनिधि, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ ने। योगी ने भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी में अपने संबोधन में पार्टी नेतृत्व को आगाह किया कि एसआईआर की प्रक्रिया में राज्य में 1 करोड़ 27 लाख हिंदुओं के (दूसरे शब्दों में भाजपा के अपने) वोट काट दिए गए हैं। उन्होंने अपनी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से भाजपा के %कमल एप% की मदद से, ये वोट वापस जुड़वाने का आह्वान किया, जो अन्य चीजों के अलावा भाजपा-शासित राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया के एक स्वांग ही बनाकर छोड़ दिए जाने को भी दिखाता है।लेकिन, सबसे बढ़कर यह प्रकरण यही दिखाता है कि नागरिकता जांच की अपनी सारी कसरत के जरिए भाजपा के मनमाफिक टार्गेटिंग की अपनी सारी कोशिशों के बावजूद, एसआईआर की प्रक्रिया भी किसी उल्लेखनीय संख्या में घुसपैठियों को खोजने में नाकाम रही है .

संपादकीय

फिर हेलीकॉप्टर हादसा

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि उत्तराखंड में तीर्थयात्रियों को ला रहा एक हेलीकॉप्टर फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में बद्रीनाथ से देहरादून लौट रहे पांच तीर्थयात्रियों और पायलट समेत छह लोगों की मौत हो गई। जटिल भौगोलिक परिस्थितियों के चलते पहाड़ी इलाकों में हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने पर यात्रियों के बचने की संभावना ना के बराबर होती है। यदि राहत व बचाव का कार्य शुरू भी किया जाए तो विषम परिस्थितियों में यह संभव नहीं हो पाता। लेकिन बेहद ऊंचे हिमालयी इलाकों में हेलीकॉप्टर सेवा को लेकर जो अतिरिक्त सुरक्षा सावधानी बरती जानी चाहिए, वह नजर नहीं आती। लगता हेलीकॉप्टर सेवा संचालित करने वाली कंपनियां यात्रियों की सुरक्षा के बजाय अपने मुनाफे को ही प्राथमिकता दे रही हैं। विडंबना यह है कि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा के दौरान ऐसे हादसे लगातार होते रहे हैं। बल्कि हादसों के बाद कुछ समय के लिये हेलीकॉप्टर सेवाओं को रोका भी गया था। लेकिन फिर 'वही ढाक के तीन पात' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में इस हिमालयी राज्य में हेलीकाप्टर हादसे और इमरजेंसी की स्थिति में हेलीकॉप्टर उतारने की कई घटनाएं सामने आई हैं। जिसके चलते निजी कंपनियों द्वारा हवाई सेवा के परिचालन के तौर-तरीकों और तीर्थ यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस बाबत गत वर्ष जुलाई में संसद में नागरिक उड्डयन मंत्रालय की तरफ से आधिकारिक जानकारी संसद को दी गई थी। जिसमें बताया गया कि साल 2020 के बाद देश में बारह हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई थी। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि इनमें से सात दुर्घटनाएं सिर्फ उत्तराखंड में हुई थीं। इन हादसों में जिन तीस लोगों की मृत्यु हुई, उनमें से इक्कीस सिर्फ उत्तराखंड में हुए हादसों में मारे गए। जिससे उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हवाई सेवा देने वाली कंपनी की सुरक्षा नीति और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल उठने स्वाभाविक ही हैं। इन हादसों के बाद हुए व्यापक विरोध के चलते कुछ समय हेलीकॉप्टर सेवा का परिचालन स्थगित भी किया गया था।

यहां सवाल उठना स्वाभाविक है कि इन हादसों के बाद भी नियामक संस्थाएं तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी की जवाबदेही क्यों तय नहीं कर रही हैं? सवाल यह भी है कि तीर्थ यात्रियों का जीवन खतरे में डालने वाली कंपनी के मालिक व अधिकारियों को क्या कभी जवाबदेह ठहराया गया? क्या कंपनी पर कभी जुर्माना लगाया गया? बीच में सेवा को स्थगित किया था,तो क्या इस सेवा को फिर से शुरू करने के लिये सुरक्षा मानकों पर कंपनी खरी उतरी थी? यदि खरी उतरी थी तो यह नया हादसा कैसे हुआ? जाहिर है, इस हेलीकॉप्टर सेवा के दौरान सिर्फ कंपनी के मुनाफे को प्राथमिकता दी जा रही है। यह सर्वविदित है कि बद्रीनाथ व केदारनाथ आदि तीर्थ बेहद ऊंचाई पर स्थित हैं। जहां लगातार मौसम अचानक बदलता रहता है। मौसम खराब होने पर हवाई यात्रा जोखिमभरी होती है। जिसके चलते बदलते मौसम को लेकर भी सतर्कता बरतनी बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर तीर्थयात्रियों का हादसे का शिकार होना, श्रद्धालुओं की आस्था व विश्वास को भी प्रभावित करता है। उनके मन में कई तरह के संशय पैदा करता है। यह विडंबना है कि इस हिमालयी राज्य में धार्मिक पर्यटन में वृद्धि और हेलीकॉप्टर से श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने के बावजूद सुरक्षा के मानकों के प्रति सरकार ने गंभीरता नहीं दिखायी। यदि शुरुआती हादसों के बाद कंपनी का लाइसेंस स्थगित करके जवाबदेही तय की जाती तो शायद फिर इन दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होती। फिर सुरक्षित सफर के लिये हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाली कंपनी आवश्यक सावधानी का अनिवार्य रूप से पालन करती। यह निर्विवाद तथ्य है

विपक्षी हुंकार शक्ति-प्रदर्शन नहीं, जनकल्याण का कारण बने



लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन की व्यवस्था नहीं, बल्कि नआकांक्षाओं, नागरिक अधिकारों, जवाबदेही और सार्थक राजनीतिक वाद की जीवंत प्रणाली है। इसकी मजबूती केवल सत्तारूढ़ दल की ार्यक्षमता से नहीं, बल्कि विपक्ष की जिम्मेदारी, उसकी वैचारिक रेपक्षता और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से भी निर्धारित होती है। किन जब विपक्ष की राजनीति का केंद्र जनता के बुनियादी सवालों के जाय सत्ता का विरोध, नेतृत्व पर व्यक्तिगत हमले और आरोपों की नरावृत्ति बन जाए, तब लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती को लेकर प्रश्न ड़े होना स्वाभाविक है। दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस के नेतृत्व में गभग बीस विपक्षी दलों का जुटना और वोट चोरी के मुद्दे पर हुंकार रना इसी संदर्भ में राजनीतिक समीक्षा की अपेक्षा करता है। सवाल यह हीं कि विपक्ष को रैली करने का अधिकार है या नहीं, बल्कि यह है कि सी रैलियों से लोकतंत्र और आम जनता को आखिर क्या हासिल हो रहा ?रामलीला मैदान ऐतिहासिक रूप से जनआंदोलनों, राजनीतिक चेतना ौर लोकतांत्रिक प्रतिरोध का साक्षी रहा है। यहां उमड़ने वाली भीड़ को वल राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में नहीं देखा जा सकता, बल्कि सपसे जुड़े संदेश और उद्देश्य का मूल्यांकन भी आवश्यक है। कांग्रेस ने हयोगी दलों को एक मंच पर लाकर अपनी राजनीतिक एकजुटता प्रदर्शित रने का प्रयास किया। दस लाख लोगों के जुटने का दावा किया गया था, किन उपलब्ध विवरणों के अनुसार वास्तविक उपस्थिति इस दावे से ाफी कम रही। फिर भी इस आयोजन का महत्व केवल भीड़ के आकार नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक संदेश से तय होना चाहिए। दुर्भाग्य यह कि इस रैली में भी विपक्ष की ओर से वही पुराने आरोप, वही राजनीतिक ाषण और वही सत्ता विरोधी तेवर अधिक दिखाई दिए, जिनकी पुनरावृत्ति बे समय से होती रही है।वोट चोरी और मतदाता सूची के विशेष गहन नरीक्षण अर्थात एसआईआर को लेकर विपक्ष ने गंभीर सवाल उठाए हैं। नावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना किसी भी लोकतांत्रिक वस्था में विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। प्रत्येक ध मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहना चाहिए और किसी ो पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना ाहिए। लेकिन लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आरोपों के साथ माण और तथ्यों की विश्वसनीयता भी आवश्यक है। जिन मतदाताओं के म मतदाता सूची से हटाए जाने का प्रश्न उठाया जा रहा है, उनमें मृतक, थायी रूप से अन्यत्र स्थानांतरित हो चुके और एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाता भी शामिल बताए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने भी एसआईआर से जुड़े निर्णयों को तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिया गया बताया है। इस प्रक्रिया को लेकर न्यायालय में विचार और निर्देश भी सामने आए हैं। इसलिए इस पूरे विषय पर अंतिम निष्कर्ष तथ्यों, प्रमाणों और न्यायिक परीक्षण के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए।

विपक्ष का दायित्व है कि वह चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग करे, मतदाता सूची की त्रुटियों को उजागर करे और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस प्रयास करे। लेकिन केवल वोट चोरी का नारा बुलंद करने से लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास मजबूत नहीं होगा। यदि विपक्ष वास्तव में मतदाता अधिकारों को लेकर गंभीर है तो उसे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने, मतदाता सूची की जांच करने, वास्तविक विसंगतियों के प्रमाण जुटाने और प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। लोकतंत्र की रक्षा नारों से कम और धरातल पर किए गए कार्यों से अधिक होती है। इस रैली का एक दूसरा पहलू भी है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों की राजनीतिक एकजुटता का आधार क्या है? क्या यह एकजुटता किसी साझा आर्थिक दृष्टि, रोजगार नीति, कृषि सुधार, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाओं, महंगाई, भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा, युवाओं के भविष्य और सामाजिक न्याय के व्यापक कार्यक्रम पर आधारित है? अथवा इसका मुख्य उद्देश्य नरेंद्र मोदी सरकार का विरोध करना और सत्ता के विरुद्ध राजनीतिक वातावरण तैयार करना है? यदि किसी गठबंधन की एकता का सबसे बड़ा आधार किसी एक नेता या सरकार का विरोध हो, तो उसकी वैचारिक स्थिरता और भविष्य की दिशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। सत्ता विरोध अपने आप में कोई राजनीतिक दर्शन नहीं हो सकता।

लोकतंत्र में विपक्ष केवल आलोचक नहीं होता, वह वैकल्पिक नीतियों का निर्माता भी होता है। संसद में विधेयकों पर गंभीर चर्चा, सरकार की नीतियों का तथ्यात्मक परीक्षण, आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर वैकल्पिक सुझाव तथा जनता की आवाज को संस्थागत मंचों तक पहुंचाना उसकी बुनियादी जिम्मेदारी है। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत कटाक्ष और विरोध प्रदर्शनों तक सीमित होने लगता है, तब जनता के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। विपक्ष को यह समझना होगा कि प्रधानमंत्री की आलोचना करना और प्रधानमंत्री के विकल्प के रूप में अपनी योग्यता प्रमाणित करना दो अलग-अलग बातें हैं। पहली बात राजनीतिक विरोध है, जबकि दूसरी लोकतांत्रिक नेतृत्व की कसौटी है। आज भारत अनेक बुनियादी चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार, किसानों की आय और कृषि की उत्पादकता, छोटे व्यापारियों की आर्थिक सुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, पर्यावरण संरक्षण, शहरी अव्यवस्था, बढ़ती आर्थिक विषमता और महिलाओं की सुरक्षा जैसे प्रश्न किसी एक दल के नहीं, पूरे राष्ट्र के प्रश्न हैं। क्या रामलीला मैदान की हुंकार इन विषयों पर कोई ठोस वैकल्पिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सकी? क्या विपक्ष ने यह बताया कि वह इन समस्याओं के समाधान के लिए कौन-सी नीतियां अपनाएगा? क्या उसने देश के सामने कोई साझा विकास दृष्टि रखी? इन सवालों का उत्तर ही इस रैली की राजनीतिक सार्थकता का वास्तविक मूल्यांकन करेगा।

यह भी समझना आवश्यक है कि लोकतंत्र में भीड़ जुटाना और जनमत अर्जित करना अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक राजनीतिक उत्तेजना, संगठनात्मक शक्ति अथवा विरोध की भावना से जुट सकती है, लेकिन स्थायी जनविश्वास विचारों, नीतियों, आचरण और परिणामों से अर्जित होता है। राजनीतिक दलों को यह भ्रम नहीं पालना चाहिए कि विशाल मंच, बड़े भाषण और एकजुटता के प्रदर्शन से जनता का विश्वास स्वतः प्राप्त हो जाएगा। आज का मतदाता पहले की तुलना में अधिक जागरूक है। वह केवल यह नहीं सुनना चाहता कि सरकार ने क्या गलत किया, बल्कि यह भी जानना चाहता है कि विपक्ष उस स्थिति को सुधारने के लिए क्या करेगा।

कांग्रेस के लिए यह आत्ममंथन का अवसर है। देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी होने के नाते उससे केवल विरोध की राजनीति नहीं, बल्कि वैचारिक नेतृत्व और रचनात्मक विपक्ष की अपेक्षा भी की जाती है। राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को अपनी राजनीतिक ऊर्जा का उपयोग ऐसे मुद्दों पर करना चाहिए, जो समाज के व्यापक वर्गों को प्रभावित करते हैं। विपक्षी एकता तभी सार्थक होगी, जब वह साझा नकारात्मकता के बजाय साझा सकारात्मक एजेंडे पर आधारित होगी। विभिन्न दलों के बीच नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा और राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रहित के प्रश्नों पर सहमति बनाना आवश्यक है।



व्यस्त रहो खुश रहो

अगर आप कामकाजी हैं तो तय है कि आप पर काम का बोझ भी ज्यादा होगा। अपने काम के इस बोझ को खुद पर हावी न होने दें। अपने व्यवहार में हल्का-सा बदलाव लाकर न सिर्फ आप खुश रहकर ऑफिस में बेहतरीन प्रदर्शन कर सकती हैं, बल्कि अपने रिश्तों को भी पहले की तुलना में बेहतर तरीके से सहेज और संवार सकती हैं।

कार्यस्थल हो या घर, यदि आप अपने काम से खुश नहीं हैं तो इसका प्रभाव आपके काम पर पड़ता है। यह संभव है कि आपके आसपास का माहौल तनाव और चिंता उत्पन्न करने वाला हो, पर यह भी सही है कि जटिल परिस्थितियों का सामना करने के लिए स्वस्थ मस्तिष्क और शरीर की जरूरत होती है। अस्वस्थ जीवनशैली और कार्यस्थल का तनाव आपके लिए गंभीर परिणाम देने वाला साबित हो सकता है। तन को स्वस्थ रखने के लिए जहां अच्छा खान-पान और स्वस्थ जीवनशैली होना जरूरी है, वहीं स्वस्थ मस्तिष्क और असरदार काम के लिए सकारात्मक सोच का होना जरूरी है।

व्यस्त रहना यानी संबंधों को मधुर बनाना

जर्नल ऑफ फैमिली साइकोलॉजी के अनुसार कार्यस्थल पर जिम्मेदारी वाले काम करते हुए व्यस्त रहने वाली महिलाएं अपनी शादी से अधिक खुश रहती हैं। चार साल तक किए गए इस अध्ययन में 169 जोडे शामिल किए गए। यह सर्वे उन महिलाओं के लिए हैरतभरा हो सकता है, जो निजी जीवन और काम की व्यस्तता के बीच खुद को हर समय तनावग्रस्त महसूस करती हैं। आमतौर पर माना भी यह जाता है कि कार्यस्थल पर व्यस्त रहने वाली महिलाओं की शादीशुदा जिंदगी में खुशियां कम होती जाती हैं। शोध में कार्यस्थल पर काम और पति के साथ संबंधों का अध्ययन किया गया है। इस नतीजे के संभावित कारण इस प्रकार हो सकते हैं..

करियर में सफल होना आत्मविश्वास को बढ़ाता है। कार्यस्थल पर व्यस्त रहने वाली महिलाएं अपने बारे में अच्छा महसूस करती हैं। संतुष्टि की यह भावना संबंधों पर भी सकारात्मक असर डालती है। पति-पत्नी दोनों का व्यस्त रहना दोनों के बीच समानता का संबंध उत्पन्न करता है, साथ ही घरेलू जिम्मेदारियों में आपसी सहयोग भी बढ़ाता है। एक-दूसरे के लिए समय कम मिलने की विवशता को समझते हुए पति-पत्नी, एक-दूसरे के साथ अधिक से अधिक क्वालिटी समय बिताने की कोशिश करते हैं।

कार्यस्थल पर यूं रह सकती हैं खुश

अच्छा चुनाव करें- करियर के संबंध में गलत फैसले बड़े महंगे साबित होते हैं। अत- कोई भी निर्णय सोच-समझकर लें। यदि काम आपकी रुचि और एटीट्यूड के मुताबिक है तो आप उसे कम समय में या चुनौतियों के बीच भी बेहतर तरीके से कर सकेंगी। ऐसे करियर में जाना आपको तरक्की की ओर ले जाता है।

अपने एटीट्यूड को बदलें

जीवन की तरह करियर में भी काफी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। जब अच्छा हो रहा होता है, तो आपको अच्छा लगने लगता है। पर, जब चीजें विपरीत होती हैं तो निराशा और उदासीनता जन्म लेने लगती हैं। ऐसे में सकारात्मक दृष्टिकोण होना मददगार साबित होता है। ध्यान रखें कि आपके अच्छे मानसिक स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक एटीट्यूड बेहद अहम है।

दूसरों को दोष न दें

ऑफिस में काम समय पर पूरा नहीं होना, कभी काम में अधिक गलतियां रहना, घर के सदस्यों और ऑफिस के सहकर्मियों के साथ मतभेद होना या तरक्की न मिलना, अपने साथ कुछ भी बुरा होने का कारण दूसरों को मानने लगना हमारे दुख को और बढ़ा देता है। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि आप काम और तनाव की दोहरी जिम्मेदारियां संभाल रही हैं, ऐसे में कभी-कभार कामों के अव्यवस्थित होने की गुंजाइश भी रहती है। पर यदि आप ऐसे समय में अपनी प्रतिक्रिया पर नियंत्रण करके दूसरों को दोषी नहीं ठहराती तो आप खुद को बड़े तनाव से बचा सकती हैं। ऐसा करने से दूसरों के साथ संबंधों में खटास भी नहीं आएगी।

हर काम के लिए खुद को दोषी न ठहराएं

जितना दूसरों को दोषी न ठहराना खुश रहने के लिए जरूरी है, उतना ही जरूरी यह भी है कि आप अपने या दूसरों के साथ होने वाली हर बात के लिए खुद को दोषी न ठहराएं। दूसरों के लिए दुखी होना या उनके प्रति सहानुभूति होना आपकी संवेदनशीलता को दिखाता है, पर यदि आप हर बात के लिए खुद को दोषी मानती हैं तो इससे दूसरों के लिए आपको कटघरे में खड़ा करना आसान हो जाता है। लगातार ऐसा होना आपमें हीनता का भाव उत्पन्न करेगा और आप दूसरों के व्यवहार से दुखी भी रहेंगी। आपके आसपास जो भी हो रहा है, इसके लिए खुद को दोषी ना ठहराएं।

क्रोध से मुक्ति

जटिल परिस्थितियों में गुस्सा आना सबसे आसान प्रतिक्रिया होती है। आक्रोश में ना आते हुए अपनी बात सही व स्पष्ट शब्दों में पहुंचाना सही होता है, पर बिना जाहिर किए लंबे समय तक अपने गुस्से को बनाए रखना आपकी ऊर्जा और उत्साह को कम कर देता है। बेहतर है कि आप खुद को और दूसरों को क्षमा करना सीखें, साथ ही उन कारणों को भूलने का प्रयास करें, जिनके कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। आप तुरंत ऊर्जावान महसूस करेंगी और काम के प्रति आपको अच्छा लगने लगेगा।

ऑनलाइन डेटिंग

जोड़ियां बनाने का नया तरीका

इंटरनैट की मदद से जीवन साथी की तलाश अब कोई नया मुद्दा नहीं रह गया बल्कि अधिकांश युवा एवं प्रौढ़ अकेले रह रहे लोग अपने लिए साथी की तलाश हेतु सोशल नैटवर्किंग की मदद लेने लगे हैं। चैटिंग के माध्यम से एक-दूसरे को जानने के बाद वे लोग पर्सनली मिलना चाहते हैं ताकि इस संबंध को एक प्रैक्टीकल शेप दी जा सके। अगर आप भी इंटरनैट के माध्यम से अपने प्यार की तलाश कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान रखें...

सावधानी जरूरी

- यदि ऑनलाइन साथी की तलाश कर रही हैं तो विभिन्न सर्च इंजन की सहायता लें, साथ ही ऑनलाइन फ्रैंड से रियल लाइफ में मिलने का निर्णय लें तो यह सुनिश्चित कर लें कि आपकी पहली मुलाकात के लिए वह जगह पब्लिक प्लेस हो।
- इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि ऑनलाइन डेटिंग के बारे में थोड़ी-सी भी लापरवाही आपके लिए खतरा बन सकती है।
- भले ही विदेशों में यह सब काफी कॉमन हो परंतु अब अपने देश में भी ऑनलाइन डेटिंग का क्रेज कम नहीं है। बेशक ऑनलाइन डेटिंग से मनचाहा साथी भी मिल जाता है लेकिन इस आभासी दुनिया में छल करने वालों की भी कमी नहीं है।

साइट्स की पहचान

कुछ साइट्स हैं जो यह निर्णय करती हैं कि आप किससे मिलें जबकि कुछ साइट्स आपको आवश्यक डेट के बारे में सलाह देती हैं। सबसे जरूरी बात आप इन साइट्स की कीमत को जरूर जांच लें, छोटी और क्षेत्रीय साइट्स को भी नजरअंदाज न करें।

ईमानदारी से बनाएं प्रोफाइल

यह सही है कि ऑनलाइन प्रोफाइल बनाते समय अपनी उम्र, बैकग्राऊंड या आदतों के बारे में झूठी जानकारी देने से बचना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखें कि अपने बारे में बहुत अधिक जानकारी भी न दें और सीक्रेट्स तो बिल्कुल भी शेयर न करें, भले ही आप सामने वाले व्यक्ति को पहचानती ही क्यों न हों।

थोड़ी बेईमानी की उम्मीद

- विशेषज्ञ मानते हैं कि ऑन लाइन डेटिंग रिलेशन बनाने की अपेक्षा एक तरह से



विज्ञापन होता है। यह ऐसा विज्ञापन है जो अतिश्योक्तिपूर्ण कथन और झूठ से भरा होता है।

- दोस्ती करने वाले को यह उम्मीद होती है कि सामने वाला व्यक्ति अपनी बैस्ट फोटो अपलोड करेगा जबकि वह अपनी कम उम्र की फोटो के साथ ही अपने वजन को भी कई किलो छिपा जाता है।
- ये बातें भले ही बहुत छोटी-छोटी नजर आती हैं, फिर भी इसी बात से अंदाजा लगा कर चलें कि वह और भी कई बातों में झूठ बोल रहा होगा, अत- हर बात को स्वयं परखना बहुत जरूरी है।

फॉड से बचें

किसी भी नई तकनीक के समान ही ऑनलाइन डेटिंग के भी कुछ नकारात्मक पहलू हैं। इनमें से सबसे बड़ी बात फॉड की है। बड़ी संख्या में अंतर्राष्ट्रीय सहायता संघ भी वजूद में हैं जो ऑनलाइन डेटिंग साइट्स पर भी मौजूद हैं और अक्सर इस तरह के मैसेज भेज कर दावा करते हैं कि कुछ लोग हैं जो मुसीबत में हैं और उनके पास पैसे नहीं हैं। अगर कोई व्यक्ति विशेषत- जो दूसरे देश से हो तो उससे तुरंत नाता तोड़ लें।

जासूस बनना बुरा नहीं

- जिससे ऑनलाइन मिली हैं और फिर उस व्यक्ति से वास्तव में मिलने जा रही हैं तो उनके बारे में थोड़ी जांच-पड़ताल भी करें।
- इसके लिए मल्टीपल सर्च इंजन का सहारा लें। आपराधिक बैकग्राऊंड की भी जांच करें। इस बात को सुनिश्चित कर लें कि उसके अनुसार जो वह है वह सच है।

खाना खजाना



स्वाद भरा बेसन ढोकला

सामग्री - बेसन -2 छोटी कटोरी, नींबू का रस - 2 चम्मच, नमक -स्वादानुसार, तेल - 3 छोटे चम्मच, परूट साल्ट - 1 छोटा चम्मच, हल्दी -1 छोटे चम्मच, अदरक - 1 इंच कद्दूकस की हुई

गार्निश के लिए - राई - 1 छोटा चम्मच, हरी मिर्च - 2 से 3 लंबी कटी हुई, नमक - आधा छोटा चम्मच, चीनी - 1 छोटा चम्मच, तेल - 1 छोटा चम्मच, हरा धनिया - आधी छोटी कटोरी, एक नींबू - रस निकला हुआ

विधि - बेसन को एक बाऊल में डाल लें, उसमें नमक, नींबू का रस, तेल, अदरक का पेस्ट और हल्दी डाल कर पानी की मदद से अच्छी तरह मिला लीजिए। याद रहे गुठली नहीं पडनी चाहिए, अगर आप को पेस्ट गाढ़ा लगता है तो पानी और डालें। पेस्ट को उतना गाढ़ा रखें जितना इडली बनाने के लिए रखते हैं। अब बेसन के पेस्ट को 20 मिनट के लिए ढक कर रखें, ताकि बेसन फूल जाए। एक पतीले में 2 गिलास पानी डाल लें, उसके अन्दर एक जाली वाला स्टैंड रखिए और पतीले को अच्छी तरह ढक दीजिए, गैस को मद्धम आंच पर चलाएं। 20 मिनट बाद बेसन को चम्मच से अच्छी तरह मिला लें और उसमें फ्रूट साल्ट डाल लें। पेस्ट को चम्मच से मिला लीजिए, पेस्ट को ज्यादा देर तक मिलाना नहीं है क्योंकि ज्यादा मिलाने से फ्रूट साल्ट में से हवा निकल जाएगी। थाली में चारों तरफ तेल लगा लें, फिर पेस्ट को उसमें डाल दीजिए। उस थाली को पतीले में स्टैंड के ऊपर रख कर ढक दें। अब 15 से 20 मिनट तक आग पर पकने दीजिए। फिर चाकू को ढोकले के अंदर डाल कर देखिए कि चाकू पर चिपक तो नहीं रहा, अगर ढोकला चिपक रहा हो तो गैस को थोड़ा और चलने दीजिए। जब ढोकला चिपकना बन्द हो जाए तब गैस बन्द करें और ठंडा होने के बाद चाकू से चारों तरफ से ढोकले को निकाल लीजिए। ढोकले को आप एक प्लेट में निकाल लीजिए । उसके बाद ढोकले को किसी भी साइज में काट लें। इसे बर्फी या चौकोर शेप में काटा जाता है। अब पैन में एक चम्मच तेल डाल लें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें राई डाल दीजिए और राई के चटकने के बाद हरी मिर्च डालें। चम्मच से 2 से 3 बार चला लीजिए उस के बाद नमक और चीनी डालिए, उसमें एक कटोरी पानी डालें। उबाल आने तक पकने दें, उसके बाद गैस बंद करें और ठंडा होने के बाद ढोकले के ऊपर चम्मच की मदद से डाल दीजिए। इस तरह से डालिए ताकि पूरा पानी ढोकलों के ऊपर आ जाए। ढोकला बन कर तैयार है।

सब्जियों से सजा लाजवाब ब्रैड पिज्जा



सामग्री - ब्रैड - 4 पीस, प्याज - 1 बारीक कटा हुआ, टमाटर - 1 बारीक कटा, गाजर - 1 कद्दूकस की हुई, शिमला मिर्च - 1 बीज निकाल कर बारीक कटी हुई, हरी मिर्च कटी हुई - 1 छोटा चम्मच, धनिया - थोड़ा-सा बारीक कटा हुआ, चिली सॉस - आधा छोटा चम्मच, सूजी - एक चौथाई कप, मलाई - एक-चौथाई कप, नमक - स्वादानुसार, तेल - 1 छोटा चम्मच

विधि - ब्रैड स्लाइस तिकोने काट लीजिए, बाकी सामग्री अच्छी तरह मिला लीजिए और उसे 5 मिनट के लिए रख दीजिए। ब्रैड के टुकड़ों पर एक तरफ सारी सामग्री फैला दें। एक नॉन स्टिक तवे पर तेल डालें, जब तेल गर्म हो जाए तब उसमें ब्रैड के टुकड़े रख दीजिए और उन्हें हल्की आंच पर भूरा होने तक दोनों तरफ से सेंक लें। ब्रैड पिज्जा बन कर तैयार है, टमाटर की चटनी के साथ गर्मा-गर्म परोसें।

काजू चिक्की



सामग्री - 250 ग्राम काजू, 250 ग्राम चीनी या गुड़, 2 छोटे चम्मच घी

विधि - काजू को 2 टुकड़ों में काट लीजिए। कड़ाही में एक छोटा चम्मच घी डाल कर गर्म कीजिए, घी में चीनी डालिए और मिला दीजिए। तेज या मध्यम आग पर चीनी को पिघलने दीजिए। चीनी को चम्मच से लगातार चलाते रहिए, चीनी तले में लगनी नहीं चाहिए ज्जैसे ही चीनी पूरी तरह पिघल जाए, आग बन्द कर दीजिए, कटे हुए काजू डाल कर अच्छी तरह मिलाइए। चिकनी की गई थाली या समतल जगह को चिकना करके, काजू मिश्रण को उसके ऊपर रखिए, बेलन को घी लगाकर चिकना कीजिए, चिक्की के मिश्रण को इच्छानुसार पतला या मोटा बेल लें। चिक्की के गर्म ही रहने तक जिस आकार में आप चिक्की के टुकड़े करना चाहते हैं यदि चाकू से निशान डाल दें, तो टुकड़े उसी आकार में तोड़े जा सकते हैं। ठंडा होने पर चिक्की के टुकड़े चाकू से नहीं, हाथ से ही अपने पसन्द अनुसार कर लीजिए। तैयार काजू की चिक्की को एयर टाइट कंटेनर में भर कर रख लीजिए।

केसरिया लड्डू



सामग्री - बेसन तीन कटोरी (दरदरा पिसा हुआ), चीनी दो कटोरी, - इलायची पाऊडर एक छोटा चम्मच, एक-चौथाई कटोरी काजू अथवा बादाम, केसर 5-6 लच्छे, चुटकी भर मीठा पीला रंग, देसी घी तलने के लिए, एक-चौथाई कप दूध

विधि - बेसन को छान कर उसमें चुटकी भर मीठा पीला रंग मिलाएं और पानी से घोल तैयार कर लें। अब एक पतीले में पानी एवं शक्कर मिला कर एक तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी में थोड़ा-सा पीला रंग और केसर हाथ से मसल कर डाल दें। साथ ही पिसी इलायची भी डाल दें। एक कड़ाही में घी गर्म करके छेद वाली स्टील की छलनी या झारे की सहायता से थोड़ी-थोड़ी करके सारे घोल की बूंदी बनाती जाएं और चाशनी में डालती रहें। जब बूंदी पूरी तरह से चाशनी पी ले, तब हाथ पर हल्का-सा घी या पानी लगा कर हल्के से दबाते हुए सभी बूंदी के लड्डू तैयार कर लें। लड्डू बनाते समय सभी पर एक-एक काजू अथवा बादाम रख कर हाथ से दबा दें। अब गणपति बप्पा को घर पर तैयार किए गए इन खास लड्डुओं का भोग लगाएं।

बच्चे के सहज और स्वाभाविक विकास के लिए स्कूल एक महत्वपूर्ण स्थान है। बच्चा स्कूल के माहौल में ही अपने दूसरे साथियों के साथ तालमेल बिठाना सीखता है। उसकी स्वयं की छवि भी स्कूल में जाकर ही बनती है। वहीं पर उसे अपनी कार्यक्षमता का अहसास भी होता है। बच्चे के लिए घर से बाहर की पहली दुनिया स्कूल ही होती है।



बच्चों की शिक्षा में

माँ-बाप की भागीदारी जरूरी



आमतौर पर होता यह है कि बच्चे को स्कूल भेजने के बाद कई बच्चों के माता-पिता स्वयं को तमाम जिम्मेदारियों से मुक्त मान लेते हैं। उन्हें लगता है कि बच्चा अब सिर्फ स्कूल की जिम्मेदारी बन गया है। कई बार देखने में आता है कि बच्चों की शिक्षा में माता-पिता जितनी रुचि लेते हैं उसका खासा असर बच्चों की शिक्षा पर पड़ता है। जिन बच्चों के माता-पिता बच्चों के स्कूल से लौट कर आने के बाद उनकी डायरी देखते हैं, समय-समय पर उनका होमवर्क करवाते हैं वे बच्चे पढ़ाई में अपेक्षाकृत ज्यादा अच्छे निकलते हैं।

बच्चे के स्कूल से लौट कर घर आने के बाद मां की जिम्मेदारी बनती है कि वह बच्चे के गुजरे छोटे से छोटे अनुभव के साथ अपनी साझेदारी करे ताकि बच्चा उस माहौल में ढल सके। आमतौर पर देखने में आता है कि बच्चा स्कूल से घर लौट कर आने के बाद गंदे हाथों से ही कुछ भी खा पी कर अपने दूसरे भाई-बहनों के साथ खेलने में लग जाता है और दूसरे दिन जब स्कूल जाने का समय होता है तो उसे अपने अधूरे होमवर्क और गंदी यूनीफार्म में ही बेमन से स्कूल जाना पड़ता है।

बच्चा जब स्कूल से लौट कर आए तो मां को इसके लिए पहले से ही पूरी तैयारी रखनी चाहिए। बच्चे के आने के बाद उसके हाथ-मुंह धुला कर, उसकी यूनीफार्म बदल कर उसे दोपहर का खाना खिलाना चाहिए। बच्चा स्कूल से लौट कर आने के बाद सबसे महत्वपूर्ण स्वयं को ही समझता है। बच्चे के खाना खाने के दौरान ही उसके स्कूल में उसके साथ क्या कुछ गुजरा, विषय पर उससे पूछा जा सकता है।

कामकाजी माता-पिता के बच्चे अकसर स्कूल से लौटने के बाद या तो क्रेच में जाते हैं या फिर घर में आने के बाद घरेलू नौकरों या दादा-दादी के संरक्षण में रहते हैं। ऐसे बच्चों के माता-पिता भले ही दोपहर में न सही लेकिन शाम को आफिस से लौटने के बाद या फिर रात के खाने के समय उसके स्कूल के अनुभवों के बारे में पूछ सकते हैं।

अकसर स्कूल में शिक्षकों की शिकायत रहती कि कामकाजी महिलाएं अपने बच्चों का पूरा ध्यान नहीं रखतीं जिससे ऐसी माताओं को अपराधबोध महसूस होता है। उन्हें इस अपराधबोध से थोड़ा उबरना पड़ेगा। ऐसी महिलाओं को चाहिए कि वह चाहे जहां कहीं भी हों लेकिन बच्चे के स्कूल से आते ही कम से कम उससे फोन पर तो बात कर ही लें।

ध्यान रखें कि आप जो भी समय बच्चे को दे रहे हैं उसकी उपयोगिता हो। यह जरूरी नहीं है कि बच्चे के सामने हर समय मौजूद रहें। लेकिन आपके बच्चे के मन में आपकी मौजूदगी सदा बनी रहे, इसके लिए प्रयास जरूर करें।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : **MPHIN/26/A1603,** संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



'इस उम्र में मुझे सिर्फ मां बनना दिख रहा है....'

अरिश्फा खान

के भद्दे कमेंट पर छलका आम्रपाली दुबे का दर्द

भोजपुरी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे इन दिनों टीवी के सबसे चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में अपने बेबाक और दबंग अंदाज से खूब सुर्खियां बटोर रही हैं. घर के अंदर जहां एक तरफ उनका रौब देखने को मिल रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ उनका केयरिंग और मां जैसा स्वभाव भी दर्शकों का ध्यान खींच रहा है. शो के लेटेस्ट एपिसोड में एक बड़े विवाद के बाद आम्रपाली दुबे ने जिंदगी के इस पड़ाव पर मां बनने की अपनी इच्छा पर खुलकर बात की है. उन्होंने साफ कहा है कि इस उम्र में उनके लिए मां बनना ही सबसे बड़ी प्राथमिकता है.दरअसल, 'बिग बॉस 20' के लेटेस्ट एपिसोड में जब आम्रपाली दुबे ने नॉमिनेशन टास्क के दौरान अरिश्फा खान को घर से बेघर करने के लिए नॉमिनेट किया, तो अरिश्फा अपना आपा खो बैठीं. गुस्से में आकर अरिश्फा ने आम्रपाली पर सीधा तंज कसते हुए उन्हें 'अम्मापाली, बच्चा बेचने वाली' कह दिया. अरिश्फा के इस भद्दे कमेंट को सुनते ही घर के सदस्य 'यंग' का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने अरिश्फा को तुरंत टोका. गौरतलब है कि शो के होस्ट सलमान खान ने भी मजाक-मजाक में आम्रपाली की तरफ देखकर उन्हें 'अम्मा' कहा था और कहा था कि इस घर में सिर्फ वही अकेली 'अम्मा' नहीं हैं. घर के युवा सदस्यों के प्रति आम्रपाली के प्रोटेक्टिव और केयरिंग नेचर की



वजह से उन्हें घर में अक्सर 'अम्मा' कहकर पुकारा जाने लगा है.

लव गिल से कही दिल की बात

अरिश्फा के तंज के बाद आम्रपाली दुबे अपनी साथी कंटेस्टेंट लव गिल से दिल की बात साझा करती नजर आईं. आम्रपाली ने बताया कि लोगों का ख्याल रखना उनके स्वभाव का हिस्सा है, कोई स्ट्रेटेजी नहीं. आम्रपाली ने लव गिल से कहा, लोग सोचते हैं कि शो में मां जैसे रहती हूं और लोगों के साथ व्यवहार करती हूं, वो मेरे गेम का हिस्सा है, लेकिन नहीं यार यह मेरे व्यक्तित्व का हिस्सा है. बल्कि इस समय मुझे सिर्फ मां बनना दिख रहा है और कुछ नहीं.39 साल की आम्रपाली ने आगे कहा, मैं दिखावा नहीं कर सकती कि मुझे लोगों की परवाह है. फिर चाहे वो स्काउट ओपी हो, यंग डीएससी हो या तुम (लव), जो भी मेरे साथ होगा मैं उसका ख्याल रखूंगी. यह मेरा असली नेचर बन गया है और मुझे लगता है कि यह मेरी उम्र की वजह से है. मैं सच में अब उम्र के उस पड़ाव पर आ गई हूं, जहां मुझे बच्चे को पालना है.

बिना शादी मां बनने की इच्छा

ये पहली बार नहीं है जब आम्रपाली दुबे ने मां बनने का सपना जाहिर किया है. इससे पहले शो 'भोजपुरी बवाल' में भी वे इस बारे में बेबाकी से बात कर चुकी हैं. तब उन्होंने खुलासा किया था कि बचपन से ही उनकी इच्छा एक बेटी को गोद लेने की रही है और उनके लिए शादी से ज्यादा पहली प्राथमिकता मां बनना है.

मेरे घर की औरतों को गालियां देकर उन्हें.....ट्रोल्स की धमकियों पर भड़के आसिफ खान



'बिग बॉस 20' के घर से अभिनेता आसिफ खान का सफर भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन घर से बाहर आते ही उनका सामना सोशल मीडिया की एक ऐसी काली और कड़वी सच्चाई से हुआ जिसने उन्हें गहरा सदमा पहुंचाया है. शो के दौरान अपने बेबाक अंदाज और हर मुद्दे पर मजबूती से स्टैंड लेने के लिए पहचाने जाने वाले आसिफ ने घर से बाहर आने के बाद टीवी9 हिंदी डिजिटल से की एक्सक्लूसिव बातचीत में अपनी आपबीती साझा की है. उन्होंने खुलासा किया कि कैसे उनकी पत्नी और बहन को सोशल मीडिया पर भद्दी गालियां और जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं.शो के दौरान हुए विवादों और ट्रोल्स के शर्मनाक व्यवहार पर बात करते हुए आसिफ खान का गुस्सा साफ झलक रहा था. उन्होंने कहा, एक रियलिटी शो बहुत बड़ा मंच है, जो लोगों की जिंदगी संवार देता है और मेरे करियर में भी इसकी बड़ी भूमिका रहेगी. लेकिन आखिर में ये सिर्फ एक शो ही है भाई! इसको इतना सीरियस ले करके किसी के परिवार की औरतों के इंस्टाग्राम DMs में जा-जाकर उनसे बदतमीजी करना, आप क्या साबित कर रहे हो? अगर आप मुझे बदतमीज कह रहे हो, तो फिर आप खुद क्या कर रहे हो? क्या आप मेरे घर की औरतों के DMs में आकर गालियां देकर उन्हें कोई सम्मान दे रहे हो? आसिफ ने साफ कहा कि सिर्फ रील्स देखकर फैसला करने वाले ट्रोल्स को वो कोई भी सफाई देना जरूरी नहीं समझते.

हेल्थ कंट्रोवर्सी पर बोले आसिफ

शो के दौरान उनके स्वास्थ्य और हार्ट अटैक की खबरों पर हुए विवाद और उनकी पत्नी द्वारा जारी किए गए ऑफिशियल स्टेटमेंट पर भी आसिफ ने अपनी राय रखी. उन्होंने माना कि उनकी पत्नी को वो स्टेटमेंट जारी करने की जरूरत नहीं थी. आसिफ ने कहा, मैंने अपनी वाइफ से भी कहा था कि ऐसा करने की जरूरत नहीं थी. अब अपनी पर्सनल इंफॉर्मेशन बाहर देकर भी क्या फायदा? जिसको नहीं मानना होगा, वो तो मेडिकल रिपोर्ट को भी नकली बोल देगा. अब क्या मैं दिल चीर के दिखा दूं कि यहां स्टेंट लगा हुआ है? समझदार ऑडियंस जानती है कि क्या सच है और क्या गलत.

ओटीटी का बड़ा चेहरा होने के बावजूद क्यों चुना 'बिग बॉस'?

जब आसिफ से पूछा गया कि फिल्मों और ओटीटी पर सफल काम करने के बाद उन्होंने टेलीविजन के रियलिटी शो में आने का फैसला क्यों किया? तो उन्होंने बेहद दिलचस्प जवाब दिया. आसिफ ने मुस्कुराते हुए कहा, अपने घर में तो हर इंसान बब्बर शेर बनता है, दूसरे के घर में जाकर बनो तो ज्यादा मजा आता है.

'अनुपमा' में आएगा एक और बड़ा लीप, पूरी स्टारकास्ट का होगा पत्ता साफ, रूपाली गांगुली का क्या होगा?



स्टार प्लस के मशहूर सीरियल 'अनुपमा' के फैंस के लिए बड़ी खबर सामने आ रही है. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शो के मेकर्स एक बार फिर से बड़ा फेरबदल करने की तैयारी में हैं. शो में जल्द ही एक और नया टाइम लीप लाया जाएगा, जिसके बाद कहानी पूरी तरह से बदल जाएगी. इस लीप के साथ ही शो की मौजूदा स्टारकास्ट के ज्यादातर सदस्यों का सफर खत्म हो सकता है और उनकी जगह नए चेहरे एंट्री लेंगे.इस नए टाइम लीप के बाद शो में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे. मेकर्स एक फ्रेश स्टोरीलाइन के साथ नए किरदार और नए चेहरे इंट्रोड्यूस करने वाले हैं. हालांकि, अनुपमा का मुख्य किरदार निभा रहीं लोकप्रिय एक्ट्रेस रूपाली गांगुली शो में बनी रहेंगी. लीप के बाद अनुपमा की जिंदगी का एक नया अध्याय शुरू होगा, जहां वे नए संघर्षों, नई चुनौतियों और नए रिश्तों का सामना करती दिखेंगी. हालांकि, अभी तक चैनल या मेकर्स की ओर से इस नए लीप की टाइमलाइन और बदलावों को लेकर आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है.

2020 से अब तक आ चुके हैं 3 बड़े टाइम जंप

साल 2020 में टेलीकास्ट होने के बाद से 'अनुपमा' ने टीआरपी चार्ट्स पर लगातार राज किया है. दर्शकों को बांधे रखने के लिए मेकर्स इससे पहले भी तीन बार बड़ा लीप ला चुके हैं.

दसंबर 2023: शो में 5 साल का पहला बड़ा लीप आया था, जिसके बाद अनुपमा अमेरिका चली गई थीं और उनकी जिंदगी का नया सफर शुरू हुआ था.

जुलाई 2024: शो में 6 महीने का टाइम जंप देखा गया था, जहां अनुपमा और अनुज अलग-अलग रहते नजर आए थे.

14 अक्टूबर 2024: इसके बाद शो में एक बड़ा जनरेशनल लीप लाया गया था, जिससे कहानी कई साल आगे बढ़ गई थी और छोटे बच्चे बड़े किरदारों के रूप में सामने आए थे.

'अनुपमा' की मौजूदा कहानी में क्या चल रहा है?

फिलहाल शो की कहानी में अनुपमा अपने खुद के सपनों का घर बनाने और अपनी बिखरती जिंदगी को समेटने में लगी हुई है. इस सफर में उनके सामने नई मुश्किलें खड़ी हो रही हैं. एक तरफ वो मथेला से अपने परिवार को बचाने की जंग लड़ रही हैं, तो दूसरी तरफ अपने बेटे परितोष के साथ मिलकर उसके बेटे चीकू को वापस लाने की कोशिशों में जुटी हैं. इसके अलावा परी और इशानी की सुरक्षा के साथ-साथ वसुंधरा, गौतम, माही और आरवी के बीच चल रहा हाई-वोल्टेज ड्रामा दर्शकों का खूब मनोरंजन कर रहा है.

एकता कपूर ला रही हैं नया रिएलिटी शो, वरुण सूद और पूनम पांडे को किया गया अप्रोच

रिएलिटी टेलीविजन की दुनिया में एक बार फिर एक बड़ी हलचल देखने को मिलने वाली है. मशहूर प्रोडक्शन हाउस बालाजी टेलीफिल्म्स और प्रोड्यूसर एकता कपूर दर्शकों के लिए एक नया और दिलचस्प रिएलिटी शो लेकर आने की तैयारी कर रहे हैं. हालांकि, इस अपकमिंग प्रोजेक्ट से जुड़ी ज्यादातर जानकारियों को फिलहाल गुप्त रखा गया है, लेकिन शो को लेकर दर्शकों के बीच अभी से ही काफी उत्सुकता बन गई है. मेकर्स ने अभी तक शो के नाम, फॉर्मेट या थीम को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन पर्दे के पीछे कास्टिंग की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. पूनम पांडे और वरुण सूद इस शो का हिस्सा हो सकते हैं.दरअसल, रिएलिटी टीवी के जाने-माने चेहरे और एक्टर वरुण सूद को बालाजी टेलीफिल्म्स के इस नए शो के लिए अप्रोच किया गया है. हालांकि, अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि वरुण ने इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी सहमति दी है या नहीं, लेकिन उनका नाम सामने आने के बाद से ही फैंस की उत्सुकता काफी बढ़ गई है. वरुण सूद रिएलिटी शो की दुनिया का एक लोकप्रिय नाम हैं.

'रोडीज' से वरुण सूद ने शुरू किया था करियर

वरुण सूद ने अपने करियर की शुरुआत 'एमटीवी रोडीज क्र2' से की थी, जिसके बाद वो 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 9' और फिर 'एस ऑफ स्पेस 1' का हिस्सा बने. रिएलिटी शो में अपनी परफॉर्मेंस और पर्सनालिटी के दम पर उन्होंने युवाओं के बीच एक तगड़ी फैन फॉलोइंग बनाई है. रिएलिटी टीवी के अलावा वरुण ने एक्टिंग में भी हाथ आजमाया है, जहां वो वेब सीरीज 'स्कवाड्रन' और 'कर्म कॉलिंग' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुके हैं.



पूनम पांडे का नाम भी आया सामने

इस नए रिएलिटी शो की कास्टिंग को लेकर एक और बड़ा अपडेट सामने आया है. रिपोर्ट के मुताबिक कंट्रोवर्सी और अपनी बोल्ड पर्सनालिटी के लिए जानी जाने वाली पूनम पांडे को भी बालाजी टेलीफिल्म्स के इस नए रिएलिटी शो के लिए अप्रोच किया गया है. यदि पूनम पांडे और वरुण सूद दोनों इस शो के लिए हरी झंडी दिखाते हैं, तो ऑन-स्क्रीन दर्शकों को जबरदस्त ड्रामा और एंटरटेनमेंट देखने को मिल सकता है. हालांकि, पूनम पांडे की तरफ से भी अभी तक इस पर कोई आधिकारिक रिएक्शन सामने नहीं आया है.

फॉर्मेट और कंटेस्टेंट्स की लिस्ट पर सस्पेंस बरकरार

फिलहाल मेकर्स ने शो के कॉन्सेप्ट, टाइटल और कंटेस्टेंट्स की पूरी लिस्ट पर सस्पेंस बना रखा है. ये देखना दिलचस्प होगा कि एकता कपूर और बालाजी टेलीफिल्म्स इस बार टीवी पर क्या नया और अलग पेश करने जा रहे हैं. दर्शकों को शो की आधिकारिक घोषणा और स्टारकास्ट की फाइनल लिस्ट का इंतजार है.

आईसीसी रैंकिंगः टेस्ट में स्टार्क फिर बने नंबर-1, टी20 में अय्यर 7वें पायदान पर पहुंचे

दुबई, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में फिर से टॉप स्थान हासिल कर लिया है। बुधवार को जारी ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। केप टाउन में तीन मुकाबलों की सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में नौ विकेट लेने के बाद, स्टार्क एक स्थान ऊपर चढ़कर साउथ अफ्रीका के मार्को जानसेन से आगे निकल गए। ऑस्ट्रेलिया के इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 881 की अपनी करियर-सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और नंबर 1 की पोजीशन वापस पा ली। इससे पहले अगस्त में, भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर स्टार्क पहली बार रैंकिंग में टॉप पर पहुंचे थे। हालांकि, गेबेरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में छह विकेट लेने के बाद जानसेन टॉप पर आ गए थे। केप टाउन टेस्ट में साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी केवल तीन विकेट ही ले सके, जिसका फायदा उठाते हुए स्टार्क फिर से टॉप पर पहुंच गए।

साउथ अफ्रीका के साइमन हार्मर को भी इस ताजा रैंकिंग अपडेट से काफी फायदा हुआ। न्यूलैंड्स में उन्होंने मैच जिताऊ प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में छह विकेट चटकाए, जिससे उनकी टीम को जीत और सीरीज अपने नाम करने में मदद मिली। इस प्रदर्शन के दम पर यह ऑफ-स्पिनर नौ स्थान की छलांग लगाकर सातवें नंबर पर पहुंच गया है। अब वह अपने साथी खिलाड़ी कगिसो रबाडा से एक स्थान आगे हैं।



टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप स्थान गंवाने के बावजूद, जानसेन ने टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। तीसरे टेस्ट में अर्धशतक लगाने के बाद उन्होंने अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की। ??इस सूची में वियान मुल्डर एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं, जबकि हार्मर तीन स्थान की छलांग लगाकर पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एडेन मार्करम एक स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि मुल्डर सात स्थान की बढ़त के साथ 17वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों में रयान रिकेल्टन ने सबसे बड़ी छलांग लगाई है; वह 25 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं और उन्होंने अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग भी हासिल की है।

ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन और एलेक्स कैरी ने भी अपनी स्थिति में सुधार किया है। वे क्रमशः तीन और दो स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर आ गए हैं। मीरपुर में खेले गए पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत के बाद, वेस्टइंडीज के बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स 12 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों जोमेल वारिकन और रोस्टन चेस ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। वारिकन टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि रोस्टन चेस ऑलराउंडरों की सूची में संयुक्त रूप से 23वें स्थान पर आ गए हैं। इस बीच, पाकिस्तान में खेली गई ट्राई-सीरीज के समापन के बाद, पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ ने वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में अच्छी प्रगति की है। अफरीदी एक स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि रऊफ पांच स्थान की बढ़त के साथ 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

पाकिस्तानी ओपनर फखर जमां वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नौ स्थान ऊपर चढ़कर 37वें नंबर पर आ गए हैं। इंग्लैंड के बेन डकेट एक स्थान के सुधार के साथ छठे नंबर पर पहुंचे, जबकि श्रीलंका के पवन रत्नायके ने 20 स्थानों की शानदार छलांग लगाई है और वे 16वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 रैंकिंग में, न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की सीरीज जीत के बाद श्रेयस अय्यर बल्लेबाजी सूची में सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स भी 13 स्थान ऊपर चढ़कर टी20 बल्लेबाजों की सूची में 24वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 गेंदबाजों में, न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर दो स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी जैकब डफी ने 23 स्थानों की बड़ी छलांग लगाई है और वे 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तानी ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने भी अपनी स्थिति बेहतर की है। यूएई में जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में हुई सीरीज में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का प्रदर्शन करने के बाद, वे टी20 ऑलराउंडरों की रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

किंग कोहली की ऐतिहासिक उपलब्धि

वनडे में एक और बड़े रिकॉर्ड पर किया कब्जा

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच में खेली जा रही 5 मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली अपने बल्ले के दम पर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम करने में कामयाब रहे हैं। ऑकलैंड के ईडन पार्क के भारत और न्यूजीलैंड की टीम के बीच में पहला मुकाबला खेला जा रहा है, जिसमें कीवी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 185 रनों का स्कोर बनाकर सिमट गई जिसके बाद टारगेट का पीछा करते हुए टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में एक के स्कोर पर रोहित शर्मा आउट हो गए, जिसके बाद नंबर-3 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे विराट कोहली ने अपनी पारी का 12वां रन पूरा करने के साथ नंबर-3 की पोजीशन पर 13000 रनों का आंकड़ा पूरा करने वाले वनडे में पहले बल्लेबाज बन गए हैं।



कोहली ने फील्डिंग में भी दिखाया था कमाल

न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड वनडे मैच में विराट कोहली का फील्डिंग में शानदार अंदाज देखने को मिला जब उन्होंने नेथन स्मिथ का अंशुल कंबोज की गेंद पर दूसरी स्लिप पर शानदार कैच पकड़ा था। इस कैच को पकड़ने के बाद जहां कोहली भी काफी जोश में नजर आए तो टीम इंडिया के बाकी खिलाड़ियों के चेहरे पर भी खुशी देखने को मिली थी।

वनडे में नंबर-3 की पोजीशन पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

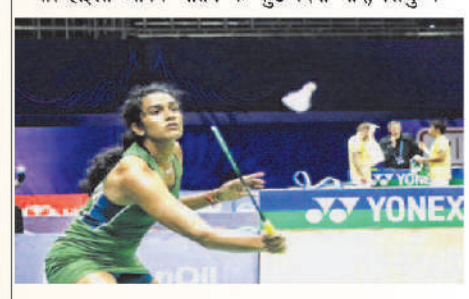
विराट कोहली (भारत) - 13005 रन*
रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया) - 12662 रन
कुमार संगकारा (श्रीलंका) - 9747 रन
जैक कैलिस (साउथ अफ्रीका) - 7774 रन
केन विलियमसन (न्यूजीलैंड) - 6504 रन.

कोहली ने सचिन के बाद ऐसा करने वाले बने पहले खिलाड़ी

विराट कोहली वनडे क्रिकेट इतिहास में किसी एक बैटिंग पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हुए सचिन तेंदुलकर के बाद पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जो 13000 या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके। कोहली ने वनडे फॉर्मेट में नंबर-3 की पोजीशन पर अब तक 254 मैचों की 251 पारियों में बल्लेबाजी की है जिसमें वह 61 के औसत से 13000 से अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके। वहीं वनडे में कोहली के अलावा रिकी पोंटिंग सिर्फ दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो नंबर-3 की पोजीशन पर 10000 या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके हैं। विराट कोहली के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में अभी कई और कीर्तिमान अपने नाम करने का शानदार मौका रहने वाला है।

'मैं अब युवा नहीं रही, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिया ब्रेक': पीवी सिंधु

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सिंधु इस टूर्नामेंट के लिए ही ब्रेक लिया था। जापान ओपन सुपर 750 और जर्मनी में हाइलो ओपन में जीत हासिल करने के बाद पीवी सिंधु का आत्मविश्वास बढ़ा है। 2022 के बाद यह पहला सीजन है जिसमें सिंधु ने कई बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने सारब्रुकेन में टूर्नामेंट से पहले फ्रेंच ओपन का फाइनल भी खेला था, लेकिन वह दुनिया की नंबर 1 और पेरिस 2024 चैंपियन कोरिया की एन से-यंग से हार गई थीं। हाइलो ओपन जीतने के कुछ दिनों बाद, सिंधु ने



कोरिया ओपन और जापान मास्टर्स छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उनका शुरुआती प्लान सभी टूर्नामेंट खेलने का था, लेकिन बाद में उन्होंने अपने शरीर की सुनने और दिसंबर में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए आराम करने और फिट होने का फैसला किया। बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित मीडिया बातचीत के दौरानएक सवाल पर सिंधु ने कहा, 'लंबा टूर खेलने के बाद, मैंने सोचा था कि मैं कोरिया ओपन और उसके बाद के टूर्नामेंट नहीं खेल पाऊंगी, लेकिन मेरे लिए वापस आकर आराम करना भी जरूरी था। मेरे लिए अपने शरीर का ध्यान रखना और अगले टूर्नामेंट के लिए फिट होना जरूरी था। यही प्लान था। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह फैसला लेना जरूरी था कि मैं नहीं खेलूंगी। मुझे अपने शरीर का ध्यान रखना है और कोर्ट पर फिर से मजबूती से वापस आना है।' सिंधु ने कहा, 'मैं अब जवान नहीं रही, लेकिन मैंने यह भी कहा कि 31 अब नया 21 है, इसलिए मुझे अपने शरीर का ध्यान रखना है।'

नया 3म15 स्कोरिंग सिस्टम 4 जनवरी, 2027 से लागू होगा। सिंधु ने यह भी बताया कि क्या यह गेम को बदल देगा और क्या उनका गेम नए पॉइंट सिस्टम के हिसाब से सही होगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को शुरू से ही चौकन्ना रहने और आसान पॉइंट न गंवाने के लिए अलर्ट रहने की जरूरत है। सिंधु ने कहा, '15 पॉइंट्स ऐसी चीज है जिस पर हर किसी को जरूर काम करना चाहिए, और हम इतने सालों से 21 पॉइंट्स पर खेल रहे हैं। इसलिए, हमने यह पक्का किया कि हम उस स्कोरिंग के लिए भी ट्रेनिंग और अभ्यास करें। हर किसी के लिए यह अलग होगा, इसलिए शुरू से ही अलर्ट रहना भी जरूरी है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह जरूरी है कि आप शुरू से ही अलर्ट रहें। यह भी जरूरी है कि जब तक आपको पता चले कि आधा गेम खत्म हो गया है, तब तक आप कोई और आसान पॉइंट न दे सकें।

बर्थडे स्पेशलः विराट कोहली के 38वें जन्मदिन पर जानें उनके शरीर पर बने 13 'टैटू' का राज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली आज 38 साल के हो जाएंगे। क्रिकेट विराट के जीवन का पहला प्यार है। इस खेल में खुद को सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए उन्होंने पूर्ण समर्पण के साथ कड़ी मेहनत की है और ये सिलसिला अब भी जारी है। क्रिकेट के अलावा विराट को टैटू बेहद पसंद है।

विराट कोहली टैटू के बहुत बड़े फैन हैं। इसका सबूत उनके शरीर पर बने टैटू की संख्या देती है। विराट ने अपने पूरे शरीर के अलग-अलग हिस्सों में 13 टैटू बनाए हैं जिनका अलग-अलग अर्थ है।

1. विराट ने अपने बाएं ट्राइसेप 'ओम का निशान' बनवाया है। ये टैटू आध्यात्मिकता और उस यूनिवर्सल आवाज को दिखाता है जो ब्रह्मांड में हमेशा एक जैसी रहती है।
2. कोहली ने अपने बाएं कंधे पर एक मॉनेस्ट्री की तस्वीर बनवाई है। मठ एक इमारत या इमारतों का ग्रुप होता है जहां एक धार्मिक समुदाय, ज्यादातर साधु समाज से दूर रहते हुए साधना करते हैं।
3. पूर्व कप्तान की राशि स्कॉर्पियो है। इस वजह से दाहिने हाथ के ऊपरी हिस्से में उन्होंने स्कॉर्पियो का निशान बनवाया है। स्कॉर्पियो राशि वाले बहुत ज्यादा पैशन, इंटेंसिटी और समर्पण दिखाने के लिए जाने जाते हैं। कोहली में ये सारी खूबियां दिखती हैं।
4. कोहली ने अपने बाएं हाथ पर 269 का टैटू बनवाया है। यह उनका टेस्ट कैप नंबर है।
5. विराट का वनडे कैप नंबर 175 है। उन्होंने अपने बाएं हाथ पर इस नंबर का भी टैटू बनवाया है।
6. 'किंग' के नाम से मशहूर कोहली ने अपने बाएं हाथ पर पिता प्रेम कोहली और माता सरोज कोहली के नाम का टैटू बनवाया है।
7. कोहली के बाएं ऊपरी हाथ पर एक खास जापानी समुराई टैटू है, जो पारंपरिक बुशिडो कोड ऑफ डिसिप्लिन और ऑनर से प्रेरित है। विराट खुद ताकत, अनुशासन और आत्मनियंत्रण की मिसाल हैं, ये गुण समुराई टैटू डिजाइन से जुड़े हैं।
8. विराट के बाएं कंधे पर जापानी समुराई टैटू के ठीक ऊपर एक दिव्य आंख का टैटू भी है। 'गॉड्स आई' टैटू उनके इस विश्वास को दिखाता है कि उनके हर काम पर नजर रखी जा रही है। इससे वह अपने फैसलों के लिए जिम्मेदार रहते हैं।
9. पियोनी टैटू विराट कोहली के बाएं कंधे पर बने आर्टवर्क का हिस्सा है। इस फूल का एशिया में, खासकर चीनी परंपरा में, बहुत गहरा सांस्कृतिक महत्व है, जहां इसे अक्सर धन, खुशहाली, सम्मान और ऊंचे सामाजिक स्तर से जोड़ा जाता है।
10. विराट के दाएं फोरआर्म पर मेटाट्रॉन क्यूब, एक क्यूबिक पैटर्न और आध्यात्मिक सिंबल का एक रूप है।
11. कोहली के बाएं हाथ पर कैलाश पर्वत पर ध्यान करते हुए भगवान शिव की एक तस्वीर है। उसके बैकग्राउंड में मानसरोवर झील है। टैटू विराट के आध्यात्मिक जुड़ाव को दिखाता है।
12. आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले कोहली ने अपने बाएं हाथ पर पूरी आस्तीन का 'लोटस' टैटू बनवाया था। यह उनकी जीवन यात्रा को प्रदर्शित करता है।
13. कोहली ने अपने बाएं हाथ पर एक नया टैटू बनवाया है। इसमें एक गोल डिजाइन है जो एक बीच के पॉइंट से निकलती हुई कई घुमावदार लाइनों से बना है। इसमें पानी में एक बूंद गिरने के बाद पानी की सतह पर लहर जैसा प्रभाव दिखता है। यह डिजाइन दिखाता है कि कैसे एक छोटी सी घटना या किसी व्यक्ति के काम बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं।

विराट का जन्म 5 नवंबर 1988 को दिल्ली में हुआ था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 18 अगस्त 2008 को श्रीलंका के खिलाफ वनडे से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था।

टेस्ट और टी20 संन्यास ले चुके विराट का अगला लक्ष्य वनडे विश्व कप 2027 में भारत को चैंपियन बनाना है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को हो रहे पहले वनडे से पहले विराट ने अपने करियर में 317 वनडे में 55 शतक और 79 अर्धशतक की बदौलत 15,109 रन बनाए हैं। वहीं, 123 टेस्ट में 30 शतक की बदौलत 9,230 रन और 125 टी20 में 1 शतक और 38 अर्धशतक की बदौलत उनके नाम 4,188 रन दर्ज हैं।

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया

कोहली की धमाकेदार बल्लेबाजी; अर्शदीप की घातक गेंदबाजी

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला आज ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला गया। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। न्यूजीलैंड की पारी 185 रन पर सिमट गई। हालांकि, टारगेट रिवाइज किया गया और भारत को 32 ओवर में 143 रन बनाने थे। भारत ने यह लक्ष्य 22.5 ओवर में पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

भारत पांच विकेट से जीता

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। भारत को डकवर्थ लुईस नियम के तहत जीत के लिए 32 ओवर में 143 रन का लक्ष्य मिला था। टीम इंडिया ने यह लक्ष्य 22.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अगला वनडे सात नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की पारी 185 रन पर सिमटी थी - टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पारी 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई।



स्कोर और भी कम होता, लेकिन आखिरी में ब्लेयर टिकनर की तूफानी पारी ने कीवियों को 180 के पार पहुंचाया। भारत को न्यूजीलैंड के शीर्षक्रम और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने इतना परेशान नहीं किया, जितना परेशन 11वें नंबर पर आए ब्लेयर टिकनर ने किया। न्यूजीलैंड का स्कोर एक वक्त नौ विकेट पर 146 रन था। इसके बाद टिकनर ने जैकब डफी के साथ 10वें विकेट के लिए 31 गेंद में 39 रन की साझेदारी निभाई। टिकनर 23 गेंद में एक चौका और चार छक्के की मदद से 34 रन की तूफानी पारी खेलकर आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें गुरनूर बराड़ ने विकेटकीपर राहुल के हाथों कैच कराया। डफी 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि सिर्फ पांच बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। टिम साइफर्ट 43 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 38 रन, डेरिल मिचेल 41 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 28 रन और ग्लेन फिलिप्स 51 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा टिकनर और डफी ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। विल यंग नौ रन, हेनरी निकोल्स नौ रन, टॉम लाथम तीन रन, कप्तान मिचेल सैंटनर चार रन, नाथन स्मिथ एक रन और काइल जेमीसन एक रन बनाकर आउट हुए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने चार विकेट लिए, जबकि गुरनूर बराड़ को तीन विकेट मिले। अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले।

भारत ने 22.4 ओवर में हासिल किया लक्ष्य - जवाब में भारत की शुरुआत भी खराब रही। रोहित शर्मा खाता खोले बिना आउट हो गए। फिर शुभमन गिल और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। इस बीच मैच को दो बार बारिश के कारण रोकना पड़ा। पहली बार 10.5 ओवर के बाद मैच रोका गया। हालांकि, बारिश रुकी और मैच 40 ओवर का कर दिया गया। संशोधित लक्ष्य 167 रन का किया गया। हालांकि, कुछ गेंदों के बाद फिर बारिश शुरू हो गई और मैच रोकना पड़ा। बारिश जब रुकी तो एक बार फिर लक्ष्य को संशोधित किया गया।

आईपीएल 2027:

13 करोड़ के सनराइजर्स के इस ऑलराउंडर को शामिल करने की तैयारी में चेन्नई?

चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स की नजर सनराइजर्स हैदराबाद के 13 करोड़ रुपये के खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन पर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक अन्य फ्रेंचाइजी ने भी दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन सनराइजर्स ने अभी फैसला नहीं लिया है। दूसरी ओर, हार्दिक पांड्या की ट्रेड रेस में पंजाब किंग्स आगे बताई जा रही है। आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों की ट्रेडिंग को लेकर हलचल तेज हो गई है। हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस छोड़ने की चर्चाओं के बीच अब चेन्नई सुपर किंग्स की नजर सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई की टीम इंग्लैंड के इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ने के विकल्प तलाश रही है। हालांकि,



सनराइजर्स हैदराबाद ने अभी तक इस मामले में कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई सुपर किंग्स लियाम लिविंगस्टोन को अपनी टीम में शामिल करने की संभावनाएं तलाश रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उत्तर भारत की एक अन्य फ्रेंचाइजी ने भी इस खिलाड़ी में दिलचस्पी दिखाई है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 से पहले हुई नीलामी में लिविंगस्टोन को 13 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने पूरे सीजन में केवल दो मुकाबले खेले और 15 रन बनाए। खराब फॉर्म के कारण उन्हें बाकी सीजन में प्लेइंग-11 और इम्पैक्ट प्लेयर के विकल्प में भी जगह नहीं मिली।

गिडिपाबली में भूस्खलन के बाद बचाव अभियान रोका, 10 लोग अब भी लापता

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के कंधमाल जिले के भूस्खलन प्रभावित गिडिपाबली गांव में खराब मौसम और लगातार भूस्खलन के खतरे को देखकर बचाव अभियान को रोक दिया। हादसे में अब भी 10 लोग लापता हैं। प्रशासन के इस फैसले के बाद लापता लोगों के परिजनों ने अंतिम संस्कार की रस्में पूरी करने की तैयारी शुरू कर दी है। कंधमाल के जिलाधिकारी वेदभूषण ने बताया कि विशेषज्ञों के अनुसार, लापता लोगों के शव करीब 30 फुट गहरे मलबे में दबे हो सकते हैं। घटनास्थल पर तीन बार भूस्खलन होने से हालात बेहद गंभीर हैं। मलबा हटाने के लिए विस्फोट करने पर फिर भूस्खलन होने और बचावकर्मियों की जान को खतरा होने की आशंका है। परिवारों की सहमति से फिलहाल अभियान रोकने का निर्णय लिया है। जिलाधिकारी के अनुसार, यदि अगले दो-तीन दिनों में मौसम साफ रहता है, तब अभियान बंद करने से पहले एक बार फिर तलाश की जाएगी। राज्य सरकार ने चक्रवात अर्नब के कारण हुई भारी बारिश के बाद शुक्रवार को बचाव अभियान शुरू किया था। इसमें एनडीआरएफ, रेलवे की टीमों, आईआईटी विशेषज्ञों, श्वान दस्तों और अत्याधुनिक उपकरणों की मदद ली गई।

खूंटी में शर्मनाक वारदात : तीन नाबालिगों से दुष्कर्म के आरोप में तीन करीबी रिश्तेदार गिरफ्तार

खूंटी, एजेंसी। झारखंड के खूंटी जिले से मानवता को शर्मसार करने वाला गंभीर मामला सामने आया है, जहां दो सगी बहनों सहित तीन नाबालिग लड़कियों के साथ उनके ही करीबी रिश्तेदारों द्वारा कथित तौर पर दुष्कर्म करने सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना दो नवंबर को खूंटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। पुलिस के मुताबिक, एक पीड़िता ने अपने एक दोस्त की जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के लिए मुरहू में रहने वाली दोनों बहनों को आमंत्रित किया था। आरोप है कि पार्टी समाप्त होने के बाद तीनों आरोपी लड़कियों को बहला-फुसलाकर अलग-अलग स्थानों पर ले गए और वहां उनके साथ यौन शोषण की इस घृणित वारदात को अंजाम दिया। खूंटी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ऋषभ गर्ग ने बताया कि इस मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए सभी आरोपी वयस्क हैं और पीड़ितों के करीबी रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने पीड़िताओं के बयानों के आधार पर महिला पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सभी पीड़ित लड़कियों की उम्र 15 से 17 वर्ष के बीच है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने सभी पीड़िताओं की आवश्यक चिकित्सकीय जांच कराई है। फिलहाल, कानून के जानकारों और महिला पुलिस बल की देखरेख में मामले की आगे की गहन जांच की जा रही है ताकि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जा सके।

एआई से छात्रा की अश्लील तस्वीर बनाने वाले बस चालक को 25 साल की सजा

बलिया, एजेंसी। उत्तरप्रदेश के बलिया की स्थानीय अदालत ने आठवीं कक्षा की छात्रा की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल कर अश्लील तस्वीर बनाने और सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने स्कूल बस के चालक संजीत कुमार को दोषी करार देकर 25 साल के कारावास और 55 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना करीब डेढ़ साल पुरानी है। भीमपुरा थाने में पीड़ित छात्रा के पिता ने पिछले साल 7 मई को शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी संजीत कुमार स्कूल में अनुबंध पर वाहन चलाता था।

पीएम मोदी को खड़गे की चुनौती, राहुल गांधी से खुली बहस क्यों नहीं कर रहे?

राहुल गांधी ने कहा, 24 घंटे हो गए अभी तक जबाव नहीं आया

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधकर सवाल किया है कि वे वोट चोरी के आरोपों का जवाब देने से क्यों बच रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी है, लेकिन अब तक उनकी ओर से कोई जवाब नहीं आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गंभीर सवालों का सामना करने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी विपक्ष के खिलाफ दिमागी नक्सल जैसे बयान दे रहे हैं। कांग्रेस नेता खड़गे ने पोस्ट कर चुनाव आयोग और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की घेराबंदी की। उन्होंने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता खड़गे का आरोप है कि आयोग ने इस प्रक्रिया को लेकर पांच बार अपना रुख बदला है। उन्होंने फॉर्म-6 का जिक्र कर दावा किया कि चुनाव आयोग के कुछ अन्य आयुक्तों ने इस फार्म को गैरकानूनी बताया था।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री देश में तीन करोड़ घुसपैठियों के होने का दावा करते हैं, लेकिन इतने वर्षों तक इस पद पर रहने के बावजूद अवैध घुसपैठ रोकने में मोदी सरकार क्यों सफल नहीं हुई? खड़गे ने मामले में केंद्रीय गृह मंत्री की जिम्मेदारी पर सवाल उठाए।

कांग्रेस नेता खड़गे ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग की मांग और वोट बचाओ रैली का उल्लेख कर कहा कि इन घटनाओं से प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह को परेशान कर दिया है। उन्होंने संसद सत्र को लेकर भी मोदी सरकार पर सवाल उठाए। खड़गे के मुताबिक, बीते संसद सत्र के समाप्त होने के 83 दिन बाद सरकार विशेष सत्र बुलाने की बात कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से संसद में आकर पत्रकारों के सामने सवालों का जवाब देने और राहुल गांधी के साथ खुली बहस करने की मांग की। इसके पहले राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि उनकी चुनौती के 24 घंटे बीत चुके हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री अपनी पसंद का मंच और स्थान चुन सकते हैं। बहस के दौरान मीडिया और देश के युवाओं की मौजूदगी भी होनी चाहिए। उन्होंने बहस का मुद्दा देश विरोधी गतिविधियों और विदेशी ताकतों से संबंधों को बनाने की बात कही। राहुल गांधी ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत बहस के निर्णायक हो सकते हैं।

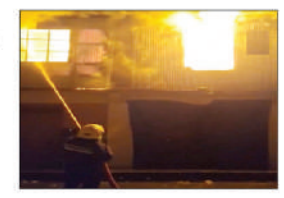
गौरतलब है कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर विदेशी ताकतों की मदद से



सत्ता में आने और उनके सहारे सत्ता में बने रहने के आरोप लगाए थे। उन्होंने भारत की वित्तीय व्यवस्था पर भी विदेशी ताकतों के प्रभाव का दावा किया था। यह राजनीतिक विवाद गुजरात में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम के बाद तेज हुआ। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष पर देश के विकास में बाधा डालने का आरोप लगाया था। इसके बाद से कांग्रेस और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

श्रीनगर में आग से 80 अस्थायी शेल्टर राख, कबाड़ा जमा करने वाले दो लोगों की मौत

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आग लगने से दो कबाड़ इकट्ठा करने वालों की मौत हो गई और करीब 80 अस्थायी शेल्टर जलकर राख हो गए। अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर के बेमिना के दुर्बल में सुबह-सुबह अस्थायी शेल्टर में लगी भीषण आग में दो कबाड़ इकट्ठा करने वालों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि आग आधी रात को लगी, जिसने तिरपाल और लकड़ी से बने करीब 80 अस्थायी शेल्टरों को अपनी चपेट में ले लिया। आग में एक खाली पोल्ट्री फार्म और एक टिपर को भी नुकसान पहुंचा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि फायर कर्मियों ने आग पर काबू पाया।



चश्मदीदों ने बताया कि आग बुझाने के लिए फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज को बुलाने से पहले ही आग पूरे इलाके में फैल चुकी थी। आग पर काबू पाने के बाद मलबे से दो लाशें मिलीं। मरने वाले दोनों लोग दिल्ली के रहने वाले थे। उनकी पहचान मोहम्मद नूर आलम (27) और अल अमीन (16) के रुप में हुई। दोनों बेमिना के दुर्बल में स्क्रैप इकट्ठा करने का काम करते थे। अधिकारियों ने कहा कि एफएसएल की कार्रवाई पूरी होने के बाद दोनों शव पुलिस को सौंप दिए गए। आग लगने की वजह का पता नहीं चला है। पुलिस ने इस घटना में केस दर्ज कर लिया है। अधिकारियों ने कहा है कि करीब 80 से 95 फीसदी आग लगने की वजह इंसानी गतिविधियां होती हैं। बिना देखरेख के या ठीक से न बुझाए गए कैंपफायर आग लगने का एक मुख्य कारण हैं। गाड़ियों से या चलते समय लापरवाही से फेंके गए सिगरेट के टुकड़े, यार्ड का कचरा, कूड़ा या खेती/काट-छांट कर जलाए गए खेत जो काबू से बाहर हो जाते हैं, चेनसॉ, गाड़ियों, या सूखी सड़कों पर टो चेन खींचने से निकलने वाली चिंगारी, और गिरी हुई बिजली की लाइनें, ये सभी अचानक आग लगने के बड़े कारण हैं।

अपनी सुरक्षा के लिए बॉडीगार्ड लेकर चलना मजबूरी है, मरवा सकते हैं खान सर

- ज्ञान बिंदु कोचिंग के मालिक रौशन आनंद ने एक इंटरव्यू में लगाए गंभीर आरोप

पटना, एजेंसी। बिहार में खान सर और ज्ञान बिंदु कोचिंग सेंटर के मालिक रौशन आनंद के बीच विवाद फिर चर्चा में है। रौशन आनंद ने एक इंटरव्यू में खान सर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अपनी सुरक्षा के लिए बॉडीगार्ड लेकर चलना उनकी मजबूरी है। रौशन आनंद ने दावा किया कि खान सर उन्हें भी मरवा सकते हैं और अपने बचाव के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि खान सर बेहद धूर्त हैं और यदि उन्हें लगता है कि किसी की जान लेकर वह सुरक्षित रह सकते हैं, तो वह ऐसा भी कर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आनंद ने 2 जून को हुई गोलीबारी की घटना को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी। उनके मुताबिक गोलीकांड सरकारी बॉडीगार्ड हासिल करने के उद्देश्य से किया गया था। उन्होंने खुद पर दर्ज प्राथमिकी को झूठा बताते हुए कहा कि 3 जून की सुबह करीब 4 बजे बिना उचित जांच के उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। आनंद ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए खान सर के खिलाफ लगाए गए पुराने आरोपों की जांच नहीं होने का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने मोकामा के विधायक अनंत सिंह के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि ना जीने की खुशी, ना मरने का गम। रौशन आनंद ने कहा कि अब उनकी जिंदगी भी इसी स्थिति में पहुंच गई है। उन्होंने अपने भाई प्रिंस की नेपाल में संदिग्ध मौत का जिक्र करते हुए खान सर पर गंभीर आरोप भी लगाए। हालांकि, खान सर इन आरोपों को पहले ही बेबुनियाद बता चुके हैं।

अब्दुल रहमान की जीत पर ओवैसी... अब अब्दुल दरी नहीं बिछाएंगे

मिशीगन से सीनेट चुनाव जीतकर रखा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी । अमेरिका के मिशिगन में अब्दुलर हमान मोहम्मद अल-सैयद की सीनेट चुनाव में जीत ने दुनियाभर में सुर्खियां बटोरी हैं। वह अमेरिकी सीनेट के लिए चुने जाने वाले पहले मुस्लिम हैं, जिसकी गूंज भारत तक पहुंची और एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने जीत को उत्तर प्रदेश के मुसलमानों के लिए राजनीतिक पहचान मजबूत करने का संदेश बताया।

ओवैसी ने लिखा, एक अब्दुल मिशिगन में जीत गया, अब यूपी के अब्दुल को भी अपनी सियासी पहचान मजबूत करनी होगी। संघियों ने अब्दुल को तंज में बदलने की बहुत कोशिश की है। वक्त आ गया है कि हम दिखाएं कि अब्दुल अल्लाह के सिवा किसी की गुलामी नहीं करता। अब दरी नहीं



बिछाएंगे। उनका यह बयान उत्तर प्रदेश के मुसलमानों को अपनी राजनीतिक ताकत पहचानने और मजबूत करने की अपील के तौर पर देखा जा रहा है।

बात दें कि मिस्र-अमेरिकी मूल के डॉक्टर और प्रगतिशील नेता अल-सैयद ने मिशिगन में रिपब्लिकन उम्मीदवार माइक रोजर्स के खिलाफ एक कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। उनकी यह जीत अमेरिकी राजनीति में एक ऐतिहासिक क्षण मानी जा रही है, खासकर इसलिए क्योंकि उन्हें चुनाव प्रचार के दौरान लगातार इस्लामोफोबिक हमलों का सामना करना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें जिहादी तक कहा और यहां तक कि अपनी ही पार्टी के भीतर से भी उन्हें विरोध झेलना पड़ा, जब अगस्त में उनसे प्राइमरी में हारने वाली हेली स्टीवंस ने रिपब्लिकन उम्मीदवार का समर्थन कर दिया।

जीत का दावा करने के बाद, अल-सैयद ने अपने भाषण में अमेरिकी व्यवस्था पर कॉरपोरेट कंपनियों और अरबपतियों के बढ़ते प्रभाव पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर और ताकतवर देश में लोगों को राशन, पेट्रोल, घर या डॉक्टर को दिखाने जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष नहीं करना चाहिए। अल-सैयद ने स्पष्ट किया कि करदाताओं का पैसा लोगों और उनके बच्चों पर खर्च होना चाहिए, न कि दूसरे देशों के बच्चों पर बम गिराने में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका की महानता अपनी कमियों को नजरअंदाज करने में नहीं, बल्कि उन्हें सुधारने की हिम्मत दिखाने में है। उनकी यह जीत अमेरिकी राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है।

पंजाब में इंसाफ की बात करने से पहले 1984 के मामले पर जवाब देना था

-राहुल गांधी की इंसाफ रैली को लेकर बीजेपी नेता ने बोला तीखा हमला

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इसी बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की बुधवार को संगरूर जिले में होने वाली इंसाफ रैली को लेकर बीजेपी नेता सतीश पूनिया ने कहा कि 1984 में जो कुछ हुआ था, उसे देश की जनता आज तक नहीं भूली है। चंडीगढ़ में मीडिया से बातचीत के दौरान पूनिया ने कहा कि राहुल गांधी को पंजाब में इंसाफ की बात करने से पहले 1984 के मामले पर जवाब देना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि अच्छी बात तो यह होती कि राहुल गांधी इस मामले में पंजाब की जनता के सामने जवाब लेकर आते। ऐसे में राहुल गांधी जब पंजाब आकर राज्य के हक की बात करते हैं, तो उन्हें पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। राहुल की ओर से पीएम मोदी को बहस की चुनौती दिए जाने पर पूनिया ने कहा कि देश की जनता ने कांग्रेस को करीब 55 साल तक शासन करने का अवसर दिया है। ऐसे कई मुद्दे हैं, जिन पर आम नागरिक भी कांग्रेस से सवाल पूछते हैं, लेकिन पार्टी के पास जवाब नहीं होते। राहुल गांधी को पीएम मोदी से बहस करने से पहले अपनी ही पार्टी के भीतर देखना चाहिए और परखना चाहिए कि कांग्रेस की सरकारों ने क्या काम किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी किसी आम बीजेपी कार्यकर्ता के साथ भी बहस कर लें, तो उन्हें कांग्रेस से जुड़े कई सवालों के जवाब मिल जाएंगे।

पूनिया ने कहा कि पंजाब कभी सुख-शांति और भाईचारे के लिए जाना जाता था, लेकिन 1984 की घटनाओं ने राज्य और देश के सामने गहरा जख्म छोड़ दिया। उन्होंने दावा किया कि उन घटनाओं से प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए दिल्ली और हरियाणा की बीजेपी सरकारों ने प्रयास किए हैं। उन्होंने कांग्रेस की ओर से 1 नवंबर को आयोजित रैली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस दिन 1984 में नरसंहार और कत्लेआम हुआ था, उसी दिन बड़ी रैली आयोजित करने के पीछे कांग्रेस की मंशा क्या थी, यह समझ से परे है। नई पीढ़ी को भी उस घटना के बारे में याद रखना चाहिए और पीड़ित समुदाय के साथ जो हुआ, उसे भुलाया नहीं जा सकता। पंजाब में बीजेपी के साथ अन्य पार्टियों के गठबंधन पर पूनिया ने कहा कि कुछ फैसलों के लिए अभी इंतजार करना चाहिए।



शेख हसीना ने बांग्लादेश के हालात पर जताई गहरी चिंता

-महिलाओं और बच्चों के साथ ही अल्पसंयकों की सुरक्षा खतरे में

नई दिल्ली, एजेंसी । बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश के वर्तमान हालात पर गहरी चिंता व्यक्त की है, हसीन ने आरोप लगाया है कि अगस्त 2024 में उनकी सरकार गिरने के बाद से राजनीतिक उत्पीड़न में वृद्धि हुई है और महिलाओं, बच्चों व अल्पसंख्यकों की सुरक्षा खतरे में है। एक ऑनलाइन संबोधन में हसीना ने दावा किया कि जुलाई से सितंबर के बीच 253 महिलाओं और लड़कियों, जिसमें 154 बच्चियां थीं, के साथ बलात्कार हुआ और 12 पीड़ितों की हत्या भी की गई। उन्होंने बताया कि मार्च से अब तक खसरे से 1,250 से अधिक बच्चों की मौत हुई है। पूर्व प्रधानमंत्री ने फैक्टरियों के बंद होने, बेरोजगारी, वसूली और हिंसा के कारण आम लोगों की बढ़ती मुश्किलों और कट्टरपंथी संगठनों के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जाहिर की, उन्होंने चेतावनी देकर कहा कि ये घटनाक्रम बांग्लादेश की धर्मनिरपेक्ष पहचान और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं। अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र कर शेख हसीना ने बताया कि उनकी सरकार के दौरान बांग्लादेश में गरीबी की दर 41 से घटकर 18.6 प्रतिशत



हो गई थी। उन्होंने करीब 14 हजार सामुदायिक क्लीनिक स्थापित करने, महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में सुधार लाने को अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धियां बताया। हसीना ने 1997 के चटगांव हिल ट्रैक्ट्स शांति समझौते और 2017 में रोहिंग्या शरणार्थियों को आश्रय देने जैसे फैसलों का भी उल्लेख किया। हसीना ने जुलाई-अगस्त 2024 की हिंसा के दौरान निर्दोष लोगों की हत्या का आदेश देने के आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस ने सत्ता संभालने के बाद उनकी सरकार द्वारा गठित न्यायिक जांच आयोग को रोक दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि आंदोलन में शामिल लोगों को कानूनी सुरक्षा क्यों दी गई, जबकि अवामी लीग के हजारों नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया, उन पर हमले हुए और उन्हें छिपने पर मजबूर होना पड़ा। हसीना ने अपनी छवि खराब करने के लिए एआई से बनाई गई तस्वीरों, फर्जी खबरों और स्कूल की पाठ्यपुस्तकों के इस्तेमाल का आरोप लगाया, साथ ही हिंसा, मौतों, आगजनी और तोड़फोड़ की एक स्वतंत्र जांच की मांग की। उन्होंने धार्मिक अल्पसंख्यकों, पत्रकारों, स्वतंत्रता सेनानियों और सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं को भी निशाना बनाने का दावा किया। अपने संबोधन के अंत में शेख हसीना ने संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, लोकतांत्रिक देशों की सरकारों और मानवाधिकार संगठनों से बांग्लादेश के हालात पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने राजनीतिक कैदियों की तत्काल रिहाई, अवामी लीग पर लगी पाबंदियां हटाने, अभिव्यक्ति की आजादी सुनिश्चित करने, अल्पसंख्यकों को समान सुरक्षा प्रदान करने और एक समावेशी लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने की मांग की। हसीना ने हिंसक कट्टरपंथ के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और एक स्वतंत्र न्याय व्यवस्था की स्थापना पर भी जोर दिया।

शरद पवार को अस्पताल से छुट्टी मिली, मुंबई के लिए रवाना

पुणे , एजेंसी । एनसीपी (एसपी) प्रमुख और राज्यसभा सांसद शरद पवार को पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक से छुट्टी दे दी गई। उनकी तबीयत में सुधार हुआ है और अब उनकी हालत स्थिर है। वे सीधे अपने मुंबई स्थित आवास के लिए रवाना हो गए हैं। रूबी हॉल क्लिनिक के मुख्य कार्डियोलॉजिस्ट, चेयरमैन और मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. परवेज के. ग्रांट ने पवार की सेहत को स्थिर और ठीक बताया। पवार की बेटी और लोकसभा सदस्य सुप्रिया सुले ने इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, बाबा अब काफी बेहतर हैं और हम मुंबई के लिए निकल रहे हैं। रूबी हॉल की पूरी टीम का बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने उनकी इतनी अच्छी देखभाल की। आप सभी की शुभकामनाओं के लिए मैं तहे दिल से आभारी हूं। सांसद पवार को सोमवार को खांसी और सीने में तकलीफ के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था।

राहुल गांधी के डिबेट चैलेंज पर सीएम हिमंत का पलटवार, यह बांग्लादेश या नेपाल नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली बहस की चुनौती पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी कि अगर वे प्रधानमंत्री मोदी के साथ बहस करना चाहते हैं, तब इसके लिए संसद का मंच चुनें। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि भारत में राजनीतिक बहस संसद में होती है, न कि सड़क या किसी गली में होती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भारत बांग्लादेश या नेपाल नहीं है।



दरअसल, राहुल गांधी ने एक वीडियो साझा कर प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी पूरे विपक्ष को देशद्रोही बताते हैं, इसलिए उन्हें किसी भी मंच पर आमने-सामने बहस करना चाहिए। वीडियो में राहुल गांधी हाथ में लाल गुलाब लेकर प्रधानमंत्री को दीपावली की शुभकामनाएं देते नजर आए थे। राहुल के वीडियो पर प्रतिक्रिया देकर सीएम सरमा ने भी सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने लाल गुलाब को लेकर राहुल पर व्यंग्य कर कहा कि गुलाब वैलेंटाइन डे पर दिया जाता है, दीपावली पर नहीं। उन्होंने तंज कसा कि राहुल गांधी को भारतीय संस्कृति की जानकारी होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री सरमा ने राहुल गांधी की राजनीतिक भूमिका पर सवाल उठाकर कहा कि वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और यदि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी से बहस करनी है, तब संसद से बेहतर मंच दूसरा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष संसद में मौजूद हैं और राहुल गांधी के परिवार के सदस्य भी संसद का हिस्सा हैं। इसके बाद बहस वहीं होनी चाहिए। सीएम सरमा ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते और विदेश नीति से जुड़े मुद्दों पर भी राहुल गांधी की घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि यदि राहुल गांधी प्रधानमंत्री से विदेशी संबंधों पर सवाल पूछना चाहते हैं, तब संसद में इन मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। उन्होंने बोफोर्स और भोपाल गैस त्रासदी जैसे पुराने मामलों का जिक्र कर कहा कि बहस में कई महत्वपूर्ण विषय उठाए जा सकते हैं।